मित्र समाचार

अंक 16
प्रकाशन 2
फरवरी 2026

''पर जैसा तुम्हारा बुलाने वाला पवित्र है, वैसे ही तुम भी अपने सारे चाल चलन में पवित्र बनो।''
1पतरस 1:15

पवित्र होने के लिए बुलाहट

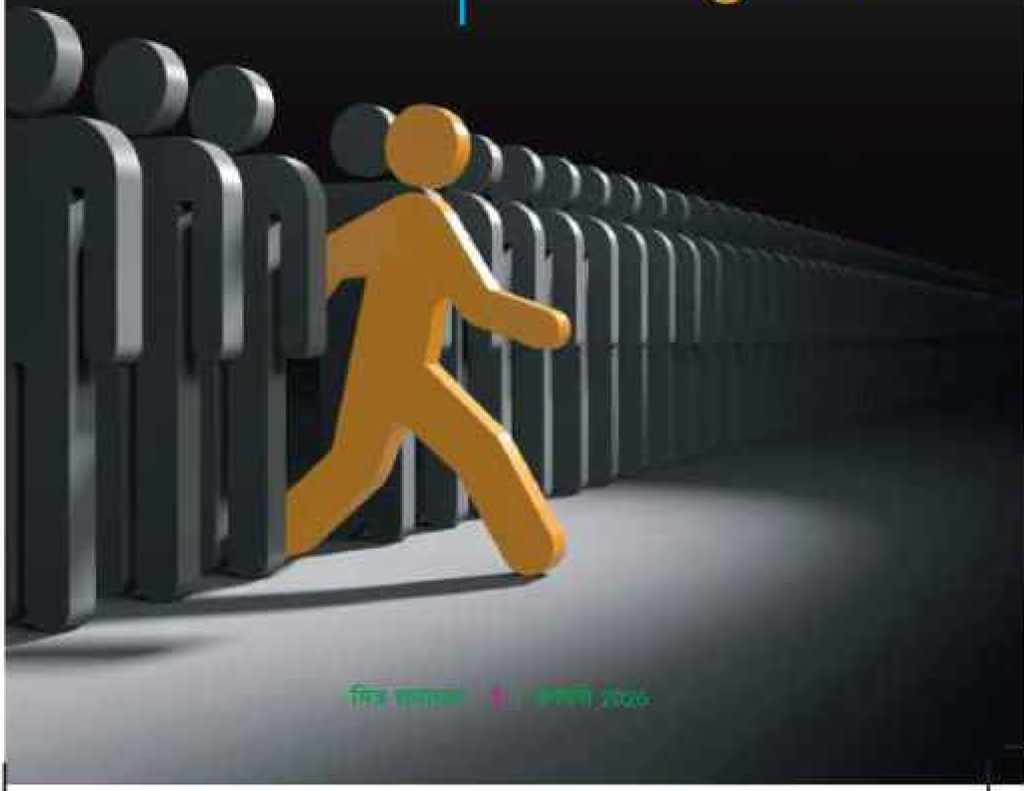

प्रथम पंक्ति....

आज के समय में कई लोग इस बात से अचम्भित होते हैं कि क्या इस जमाने में पवित्र जीवन जीना मुमकिन है। आज के युवाओं में, खासकर शैतान ने यह झूठ फैलाया है कि पवित्रता हासिल नहीं की जा सकती। फिर भी, क्योंकि हमारा परमेश्वर पवित्र है, वह हमें बुलाता है पवित्र बनो। जिस परमेश्वर की हम आराधना करते हैं, उसकी एक अनोखी और महिमामय गुण है उसकी पवित्रता। प्रेरित पतरस हमें परमेश्वर की आज्ञा याद दिलाता है: "पवित्र बनो, क्योंकि मैं पवित्र हूँ" (1पतरस 1:16)। इसी तरह, पवित्रशास्त्र कहता है कि परमेश्वर ने हमें अशुद्धता के लिए नहीं, परन्तु पवित्रता के लिए बुलाया है (1थिस्सलुनी 4:7)। पवित्रता का यह बुलाहट दुनियाँ भर में है और यह सिर्फ एक बुलाहट नहीं, बल्कि एक आज्ञा है। जो परमेश्वर पवित्रता की आज्ञा देता है, वह इसे पूरा करने के लिए आवश्यक अनुग्रह भी प्रदान करता है, क्योंकि हमें पवित्र बनाना उसकी इच्छा है। इसलिए, हमें स्वयं को और अपने शरीर को उसे सौंपने के लिए बुलाया गया है (रोमियों 6:19)।

सच्ची पवित्रता सिर्फ बाहरी दिखावे तक ही सीमित नहीं है; यह हमारे विचारों, शब्दों और कामों में दिखाई देना चाहिए। पवित्र जीवन जीने में रोजाना की लड़ाइयाँ शामिल हैं, परन्तु पवित्र आत्मा ईमानदारी के साथ हमें उनसे उबरने में मदद करती है, जिससे हम प्रभु का इंतजार करते हुए बिना किसी पाप के जीवन जी पाते हैं (कुलुस्सियों 1:22)।

विचार: कई संघर्ष शरीर के बजाय मन में होते हैं – गंदे विचार, घमंड, जलन और दूसरों के लिए नुकसानदायक इरादे। हम जो देखते और सुनते हैं, वह हमारी सोच को बदल सकता है और खराब कर सकता है। परमेश्वर के वचन को याद करने से हम इन संघर्षों से पार पा सकते हैं (भजन 119:15), और अपनी आँखों और कानों की रक्षा करना जरूरी है। जैसे मकड़ी को हटाने से बार–बार जाल नहीं बनते, वैसे ही हमें परमेश्वर की मदद से पाप के मूल कारणों को पहचानकर उन्हें खत्म करना चाहिए (2कुरिन्थियों 10:5)। आईए हम प्रतिदिन प्रार्थना करें कि हमारा मन नया हो जाए और मसीह के मन को प्रगट करे। (फिलिप्पियों 4:8)।

शब्द: हमारे विचार हमारे शब्दों और कामों से प्रगट होते हैं। पवित्र शास्त्र हमारी बातचीत की शक्ति और जिम्मेदारी के बारे में बहुत कुछ बताता है (नीतिवचन 12:18, 12:22, 19:9, 16:28, 25:23, 15:1, 26:22–23; इफिसी 5:3–4, 4:31; रोमियों 1:29–30; 2तीमुथियुस 3:3–5; मत्ती 12:36)। क्योंकि मौत और जिंदगी जबान की ताकत में हैं (नीतिवचन 18:21), इसलिए हमारे शब्दों में पवित्रता जरूरी है।

काम: परमेश्वर चाहता है कि हमारे कामों में पवित्रता हो, जैसे बिना किसी भेदभाव के दूसरों से प्रेम करना और उनका आदर करना, जरूरतमंदों की मदद करना और सही काम करना। हमें पवित्रता की खूबसूरती में प्रभु की आराधना करने के लिए बुलाया गया है (भजन 96:9)। मसीह में पवित्र और बेदाग चुने जाने (इफिसी 1:4), हमें अनुशासित और पवित्र किया जाता है ताकि हम सम्मान के पात्र बन सकें, स्वामी के लिए उपयोगी बन सकें (इब्रानियों 12:10; 2तीमुथियुस 2:21)। जब प्रतिदिन उसकी सेवा करते हैं, तो प्रभु स्वयं हमें पवित्र जीवन जीने में मदद करता हैं जिससे उसके नाम की महिमा हो।

– **मर्सी सेल्विन** *(संचार विभाग)*

"अतः हे प्रियो, जबकि ये प्रतिज्ञाएँ हमें मिली है, तो आओ, हम अपने आप को शरीर और आत्मा की सब मलिनता से शुद्ध करें, और परमेश्वर का भय रखते हुए पवित्रता को सिद्ध करें।"

2कुरिन्थियों 7:1

एक पवित्र जीवन अपने आप में एक अद्बभूत शक्ति है, और यह कई कमियों की भरपाई कर सकता है; वास्तव में यह सबसे अच्छा उपदेश है जो एक मनुष्य कभी दे सकता है।

– चार्ल्स एच. स्पर्जन

"जिसने हमारा उद्धार किया और पवित्र बुलाहट से बुलाया, और यह हमारे कामों के अनुसार नहीं; पर उसके उद्देश्य और उस अनुग्रह के अनुसार है जो मसीह यीशु में सनातन से हम पर हुआ है।" *2थिमोथी 1:9*

पवित्र जीवन तपस्वी या उदास या अकेला जीवन नहीं है, बल्कि ईश्वरीय सत्य से नियंत्रित और मसीही कर्तव्य में वफादार जीवन है। यह दुनियाँ से ऊपर उठकर जीना है, जबकि हम अभी भी इसी में हैं।

– ट्रायोन एडवर्ड्स

मित्र समाचार

हमारा मिशन :

मित्र सुसमाचार प्रार्थना दल एक सुसमाचार– केंद्रित आंदोलन है जो देश के कोने–कोने में यीशु मसीह के सुसमाचार को पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय कलीसियाओं की अटूट प्रार्थनाओं, सक्रिय भागीदारी और त्यागपूर्ण समर्थन से सशक्त होकर – अपनी कलीसियाओं, संस्थाओं, परिवारों और व्यक्तियों के माध्यम से – यह आंदोलन पूरे देश में निष्ठापूर्वक सेवा कर रहा है। हम सब मिलकर मसीह के मिशन में आगे बढ़ रहे हैं। जुड़े रहें। अपने दर्शन को साझा करें। दूसरों को उसके परिवर्तनकारी प्रेम से परिचित कराएँ।

टिप्पणी, सिफारिश
और अनुरोध के लिए
feedbackfmpb@fmpb.org

मित्र समाचार

एफ.एम.पी.बी. का मासिक पत्रिका

महासचिव
विजय प्रसन्ना इसाहक
प्रकाशक एवं सम्पादक
एस. जॉन बर्लिन

सदस्यता
वार्षिक – 100 रुपये
आजीवन – 1500 रुपये

H.Q: 29, High School Road, Ambattur,
Chennai - 600 053
Tel: +91-44-2657 0404 Fax: 2657 3353
Cell: 9444394342
E-mail: info@fmpb.org
Web site: www.fmpb.co.in

Layout and Preparation:
Communication Dept., fmpb

महासचिव की ओर से...

प्रिय प्रार्थना साथियों,

जैसे ही हम नए साल के दूसरे महीने में कदम रखते हैं, नए संकल्पों का शुरुआती उत्साह आम दिनों की लगातार माँगों के सामने झुकने लगता है। यह पल हमें सिर्फ योजना और प्राथमिकताओं के मूल्यांकन से आगे बढ़कर, ईश्वर की आवाज को ध्यान से सुनने की गहरी स्थिति में ले जाता है। ईश्वर के लोगों के लिए, नया साल सिर्फ कैलेंडर के पृष्ठों को पलटने के बारे में नहीं है; यह मसीह के स्थिर रहने वाला बुलाहट को फिर से मानने के बारे में है। हमारा मसीही बुलाहट हमें बताता है कि हम कौन हैं, यह स्पष्ट करता है कि हम क्यों हैं, और हमें याद दिलाता है कि इतिहास के इस महत्वपूर्ण समय में संयोग से नहीं बल्कि ईश्वरीय योजना के तहत हमें रखा गया है।

भारत में मसीह के द्वारा बुलाया जाना एक पवित्र सम्मान और बड़ी जिम्मेदारी दोनों है। इस पुरानी जमीन पर, हमारा बुलावा जो आध्यात्मिक चाहत, सांस्कृतिक जटिलताओं और ऐतिहासिक गहराईयों से भरी हुई है जानबूझकर मकसदों से भरा हुआ है। मसीह के शब्द साफ और अधिकार के साथ गूँजता है; "तुमने मुझे नहीं चुना, परन्तु मैंने तुम्हें चुना और तुम्हें नियुक्त किया कि तुम जाकर फल लाओ, और तुम्हारा फल बना रहे" (यूहन्ना 15:16)। सदियों से, परमेश्वर ने भारत में साधारण पुरुषों एवं स्त्रियों को असाधारण विश्वास के साथ जीवन जीने के लिए बुलाया है, और सुसमाचार की एक ऐसी विरासत छोड़ी है जो आज भी कलीसियाओं और उसके मिशन पर प्राव डाल रही है।

मसीही बुलाहट अपनेपन से तथा मसीह और उनके देह के से जुड़ाव स आरम्भ होता है। समाज में जाति, समुदाय और ऊँच–नीच की गहराई से जुड़े, सुसमाचार एक बिल्कुल नई पहचान देता है, जो सामाजिक हैसियत में नहीं बल्कि अनुग्रह में निहित है। प्राचीन संत थॉमस मसीही समुदाय इस सच्चाई का गवाह है कि सुसमाचार ने भारतीय मिट्टी में अपना देसी चरित्र को खोए बिना अपनी जड़ें जमाईं, और सांस्कृतिक संदर्भ का सम्मान करते हुए जीवन बदल दिए।

भारत में, मसीही बुलाहट अक्सर लोगों की नजरों में आने से नहीं, बल्कि वफादार मौजूदगी से प्रगट होता है। शिक्षकों, किसानों, नर्सों, प्रचारकों, कारीगरों और प्रोफेशनलों के जरिए सुसमाचार शांति के साथ आगे बढ़ा है, जिन्होंने मसीह को प्रगट करने से बहुत पहले ही उन्हें अपना लिया था। पंडिता रमाबाई ऐसी पुकार की एक भविष्य बताने वाली गवाह हैं, जो शिक्षा, वकालत और त्यागपूर्ण प्रेम के माध्यम से विधवाओं और दबी हुई महिलाओं की सेवा करके परमेश्वर की आवाज सुनती हैं। उनका जीवन हमें स्मरण दिलाता है कि मसीही बुलाहट को मनुष्य के हृदय और समाज के ढाँचों, दोनों को हिम्मत और दया के साथ जोड़ना चाहिए। यह शांत, पक्की गवाही आज भी गाँवों, शहरों और संस्थाओं में कलीसियाई मिशन के मिशन को आकार देती है।

धर्मग्रंथ हमें बरनबास को मसीही बुलावे का एक जबरदस्त उदाहरण भी दिखाता है। प्रेरितों के काम 4:36–37 में बताया गया है कि बरनबास ने अपनी जमीन बेची और उससे मिले पैसे को प्रेरितों के चरणों में रख दिया, जिससे हमें यह

सीख मिलती है कि बुलाहट खुले हृदय से समर्पण करने से शुरू होता है। भारत के माहौल में जहाँ जमीन, विरासत और सुरक्षा का बहुत गहरा अर्थ होता है, उनका काम हमारे सामने एक मुश्किल सवाल खड़ा करता है: क्या हमने परमेश्वर के मिशन को अपने स्वयं के लाभ से ऊपर रखा है?

जब शाऊल को डराया गया और रिजेक्ट किया गया, तो बरनबास उसके साथ खड़ा हुआ और उसे प्रेरितों से मिलवाया (प्रेरित 9:26–27)। इसलिए, मसीही बुलाहट में गलत समझे गए, हिचकिचाने वाले और नए बुलाए गए लोगों के साथ खड़ा होना शामिल है, खासकर पहली पीढ़ी के विश्वासियों और पिछड़े पृष्ठभूमि के लोगों के साथ। बाद में, बरनबास को अंताकिया में नियंत्रण रखने या आज्ञा देने के लिए नहीं, बल्कि हिम्मत बढ़ाने के लिए भेजा गया (प्रेरित11:22–24)। उनकी सेवकाई हमें सिखाती है कि हिम्मत बढ़ाना अपने आप में एक मिशन का कार्य है। ऐसे समय में जब भारतीय कलीसिया दबाव, थकान और अनिश्चितता का सामना कर रहा है, विश्वास में एक–दूसरे को मजबूत करने का बुलाहट पहले कभी इतना जरूरी नहीं रहा।

सबसे ज़रूरी बात यह है कि बरनबास ने अगली पीढ़ी में निवेश किया। उसने शाऊल को ढूँढा और उसके साथ सेवकाई में साझेदार बना (प्रेरित 11:25–26), और जब दूसरों ने यूहन्ना जो मरकुस भी कहलाता है से उम्मीद खो दी, तो बरनबास ने उसे इन्कार करने के बजाय पुनर्स्थापना को चुना (प्रेरित 15:36–39)। उसका जीवन यह बताता है कि मसीही बुलाहट पद की रक्षा करने या प्रभाव को बनाए रखने के बारे में नहीं है, बल्कि दूसरों को परमेश्वर के उद्देश्य में शामिल करने के बारे में है।

सम्पूर्ण इतिहास में, भारत में मसीही धर्म का बुलाहट दयापूर्णु सेवा से जुड़ा रहा है। परमेश्वर के बुलाहट पर, प्रभु को मानने वालों ने विद्यालय, अस्पताल, बालभवन, अनाथालय और राहत सेवकाईयों की स्थापना किए हैं, जो कमजोर लोगों के बीच मसीह के प्रेम की एक स्पष्ट निशानी है। भारत में मसीह के पीछे चलने में अक्सर गलतफहमी, अलग–थलग पड़ना या यहाँ तक कि जुल्म भी शामिल है। फिर भी दुःख ने कभी भी परमेश्वर की बुलाहट को शांत नहीं कर सका। भारतीय कलीसिया की कहानी इस बात की पुष्टि करती है कि क्रूस तकलीफों का अंत नहीं है, बल्कि फिर से जीवित होने का मार्ग है। धर्मग्रंथ हमें सिखाती है, "पर यदि मसीह होने के कारण दुःख पाए, तो लज्जित न हो" (1पतरस 4:16)। विश्वासयोग्यता से धीरज रखना कलीसिया के सबसे मजबूत गवाहों में से एक है। इसलिए, भारत सिर्फ एक मिशन क्षेत्र नहीं है; यह एक मिशन शक्ति है। इस जमीन से, परमेश्वर मिशनरियों, प्रोफेशनल्स और प्रार्थना साथियों को तैयार कर रहा है ताकि वे भारत के अंदर और इसकी सीमाओं से बहुत दूर उन लोगों के बीच सेवा कर सकें जिन तक पहुँच नहीं है। दुख, त्याग और लगन से बना, भारतीय कलीसिया मसीह के वैश्विक देह को एक विशेष उपहार प्रदान करता है। प्रेरित 1:8 का आदेश हमारे कस्बों, गाँवों और शहरों से लेकर दुनियाँ के कोने–कोने तक गूँजता रहता है।

इस प्रकाश में, **सुमाचार रथ मिनिस्ट्री** का फिर से शुरू होना किसी कार्यक्रम को नया करने से कहीं अधिक है; यह कलीसिया के अंदर एक मिशनरी धड़कन को फिर से जगाना है। जैसे फिलिप का सामना एक आम सड़क पर इथियोपियाई से हुआ और पौलुस ने बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर मसीह का प्रचार किया, वैसे ही सुसमाचार का अर्थ कलीसिया की दीवारों से आगे बढ़कर रोजमर्रा की उन जगहों तक पहुँचना है जहाँ लोग रहते हैं, काम करते हैं और यात्रा करते हैं। इसी भावना से, बड़े भाई नवनीधर एवं उनका दल प्रार्थना के साथ दो मिशन प्रदर्शनी की प्लानिंग कर रहे हैं, एक चेन्नई में और दूसरा तिरुनेलवेली में, जिसका मकसद बोझ को जगाना, स्पष्ट बातें बताना और परमेश्वर के लोगों को उनके मिशन के लिए इकट्ठा करना

है। ऐसे समय में जब बहुत से लोग अभी भी कलीसिया के भवनों में आने से हिचकिचाते हैं और उनसे दूर रहते हैं, गोस्पल रथम मिनिस्ट्री विनम्रता और दृढ़ विश्वास के साथ अनुग्रहपूर्ण उपस्थिति के जरिए सांस्कृतिक रूप से जुड़ा मसीह का प्रचार करने के द्वारा संगीत, गवाही, धर्मग्रंथ और एक रिश्ते की गवाह प्रदान करती है। हम परमेश्वर के लोगों से जोर देकर गुजारिश करते हैं कि वे लगातार और सच्ची प्रार्थना में इन कोशिशों को बनाए रखें, और गहरा प्रभाव और लंबे समय तक चलने वाले लाभ के लिए परमेश्वर पर भरोसा रखें।

जैसे–जैसे हम आगे देखते हैं, हमारा मसीही बुलाहट हमें आने वाले दिनों के लिए प्रार्थना और समझदारी से काम लेने के लिए भी बुलाती है। हम विनम्रता से कलीसियाओं से निवेदन करते हैं कि आने वाली **प्रबन्धन समिति और कार्यकारी समिति की सभा, साथ ही राष्ट्रीय योजना सम्मेलन 2026** के लिए प्रार्थना करें। यह सिर्फ प्रशासनिक सभा नहीं है; बल्कि यह वह पवित्र स्थान है जहाँ हम समझदारी भरी नेतृत्व, ईमानदारी से काम करने और परमेश्वर के मिशन के लिए नए सिरे से आज्ञा मानने के लिए मसीह के मन की तलाश करते हैं।

उत्कल क्षेत्र में उनकी दृढ़ विश्वासयोग्यता के लिए भी परमेश्वर को धन्यवाद देते हैं जो खुशी के साथ अपने **सेवकाई की रज्जत जयंती** मना रहा है। विश्वास के साथ बोए गए बीज, लगन, त्याग और प्रार्थना के साथ से फल लेकर आए हैं। जब हम इस मील के पत्थर को स्मरण करते हैं, तो हम कृतज्ञा के साथ पीछे मुड़कर देखते हैं और उम्मीद के साथ आगे बढ़ते हैं, और परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उसने जो काम आरम्भ किया है, उसे और मजबूत और कई गुना बढ़ाएँ।

स्मरण की इस आत्मा एवं उम्मीद की भावना के साथ, **एक मिशन कंसल्टेशन** बुलाया जाएगा ताकि प्रार्थना के साथ सोचा जा सके, समझा जा सके और मिनिस्ट्री की आगे की दिशा तय की जा सके। उम्मीद है कि यह परामर्श पवित्र आत्मा के नेतृत्व में, धर्मग्रंथों पर आधारित हो, आज की सच्चाइयों पर ध्यान दे, और सुसमाचार की गवाही के लिए नए रास्ते सोचने में हिम्मत दिखाए। इस भरोसे के साथ कि जिस प्रभु ने हमें अब तक रास्ता दिखाया है वह अपने नाम की महिमा और राष्ट्रकी आशीष के लिए हमें रास्ता दिखाते रहेंगे, हम बड़े मसीही समुदाय को हमारे साथ सच्ची प्रार्थना में खड़े होने के लिए आमंत्रित करते हैं।

अंत में, हम अपने सभी प्रार्थना करने वालों से निवेदन करते हैं कि वे प्रभु के सामने हमारे मिशनरियों को स्मरण रखें जो मुश्किलों और अक्सर मुश्किल हालात में भी ईमानदारी से सेवा करते हैं। बहुत से लोग जुल्म, गलतफहमी और विरोध के साये में काम करते हैं, और चुपचाप आज्ञा मानते हुए क्रूस का बोझ उठाते हैं। हम हृदय से चाहते हैं कि आप उन सब के जीवन और परिवारों पर परमेश्वर की दिव्य सुरक्षा, हिंसा, झूठे इल्जामों, हादसों और हर तरह के नुकसान से सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें। हम आपसे निवेदन करते हैं कि उनकी शारीरिक स्वस्थ, भावनात्मक शक्ति और आध्यात्मिक मजबूती के लिए भी प्रार्थना करें, ताकि प्रभु उन्हें बीमारी से बचाए, प्रतिदिन उन्हें सामर्थ्य प्रदान करे और उन्हें कभी न टूटने वाली शांति और हिम्मत से भर दे। जो परमेश्वर बुलाता है और भेजता है, वह अपने सेवकों की रक्षा भी करे और उन्हें सहारा दे, उन्हें गवाही देने की हिम्मत दे, सहने की शक्ति दे, और तब तक डटे रहने की खुशी दे जब तक कि उनके जीवन से मसीह की महिमा न हो।

इसलिए, आईए हम बिना रुके प्रार्थना करें, विनम्रता से समझें, और हिम्मत से आज्ञा मानें क्योंकि परमेश्वर का बुलाया अभी भी गूँज रहा है, और हमारे सामने बहुत बड़ी फसल है।

उनकी सेवा में आपका,

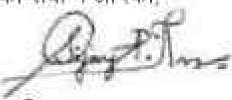

रेव्ह. विजय प्रसन्ना इसहाक

पवित्रता की ओर बुलाहट

हमारे परमेश्वर की पवित्रता

पाप ने प्रथम मनुष्य को पवित्र परमेश्वर से अलग कर दिया। फिर भी जिस परमेश्वर की हम आराधना करते हैं, वह हमेशा पवित्र रहता है। पवित्रशास्त्र कहता है, "यहोवा के तुल्य कोई पवित्र नहीं" (1शमूएल 2:2), और फिर, हे यहोवा देवताओं में तेरे तुल्य कौन है? तू तो पवित्रता के कारण महाप्रतापी है।" (निर्गमन 15:11)। यशायाह के दर्शन में, सेराफिम लगातार पुकारते रहते हैं, "सेनाओं का प्रभु पवित्र, पवित्र, पवित्र है।"

उत्पत्ति 17:1 में, जब अब्राहम निन्यानवे साल के थे, तो परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी, "मेरी उपस्थिति में चल और सिद्ध होता जा।" आरम्भ से ही, प्रभु ने अपने लोगों को पवित्रता के लिए अलग रखा है। जैसा कि पौलुस लिखता है, "जेस उसने हमें जगत की उत्पत्ति से पहले हमें चुन लिया है कि हम उसके निकट प्रेम में पवित्र और निर्दोष हों (इफिसियों 1:4)। परमेश्वर स्वयं कहता है, "तुम मेरे लिए पवित्र बने रहना;, क्योंकि मैं यहोवा स्वयं पवित्र हूँ, और मैंने तुमाके और देशों के लोगों से अलग किया है, कि तुम निरन्तर मेर ही बने रहो" (लैव्यव्यवस्था 20:26)।

परमेश्वर के वचन को पवित्र बाइबल कहा जाता है, और जो आत्मा हमारी अगुवाई करती है वह पवित्र है। जो लोग वास्तव में प्रभु की सेवा करते थे, उन्हें "परमेश्वर के पवित्र पुरुषों" के रूप में स्मरण किया जाता था (2राजा 4:9)। यह सबसे बड़ी गवाही है जो परमेश्वर के सेवक को मिल सकती है।

1 पवित्र होने एवं पवित्रता को अपनाने का आह्वान

(लैव्यव्यवस्था 20:7)

व्यवस्था के दिए जाने से पहले भी, परमेश्वर के लोग पवित्र जीवन जीते थे। माना जाता है कि अय्यूब अब्राहम से भी पहले रहता था। परमेश्वर स्वयं उनके बारे में गवाही देता है, "वह खरा और सीधा था, और परमेश्वर का भय मानता और बुराई से दूर रहने वाला था" (अय्यूब 1:1)। अध्याय 31 में, अय्यूब परमेश्वर के सामने अपने चलने की गवाही देता है।

यूसुफ ने, जो अय्यूब के बाद आया, उत्पत्ति 39:9 में कहा, "इसलिए भला, मैं ऐसी बड़ी दुष्टता करके परमेश्वर का अपराधी क्यों बनूँ?" उसने बंदीगृह डाले जाने की कीमत पर भी पवित्रता को चुना।

इन लोगों ने पापी दुनियाँ में, परमेश्वर के अलिखित व्यवस्था पर ध्यान देकर पवित्र जीवन बिताया। उनके जीवन से हमें पता चलता है कि परमेश्वर के साथ मिलकर पवित्रता सम्भव है। इसी तरह, आरम्भिक कलीसिया के विश्वासी भी पवित्र जीवन जीते थे, जबकि उनमें से कई लोग पवित्रशास्त्र को नहीं पढ़ सकते थे। उनका जीवन आज्ञा मानने, प्रार्थना करने और परमेश्वर के भय से बना हुआ था।

2 उसके समान पवित्र जीवन जीने का आह्वान

(1पतरस 1:16; लैव्यव्यवस्था 20:26)

हमारी पवित्रता का मापदंड दूसरे लोग नहीं हैं –

यह स्वयं यीशु मसीह है। "और तुम इसी के लिए बुलाए भी गए हो, क्योंकि मसीह भी तुम्हारे लिए दु:ख उठाकर तुम्हें एक आदर्श दे गया है कि तुम भी उसके पद–चिन्हों पर चलो।" (1पतरस 2:21)।

फरीसी स्वयं की तुलना दूसरों से करते थे और स्वयं को पवित्र बताते थे (लूका 18:10–12)। परन्तु जब पौलुस परमेश्वर के सामने खड़ा हुआ, तो उसने कहा, "मसीह यीशु पापियों का उद्धार करने के लिए जगत में आया, जिनमें सबसे बड़ा मैं हूँ" (1तीमुथियुस 1:15)।

यूहन्ना लिखता है "यदि हम अपने पापों को मान लें, .." जिसमें वे स्वयं को उन लोगों में शामिल करता है जिन्हें अनुग्रह की जरूरत है। एज्रा, नहेमायाह और दानियेल ने अपनी किताबों के 9 अध्याय में, पाप को दर्शक के तौर पर नहीं बल्कि हिस्सा लेने वाले के तौर पर माना, और स्वयं को उन लोगों के साथ जोड़ा जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञाओं का उल्लंघन किया था।

जब हम दूसरों से अपनी तुलना करते हैं, तो हम पवित्र लग सकते हैं। परन्तु जब हम परमेश्वर से अपनी तुलना करते हैं, तो हम अपनी असली हालत को देखते हैं – और विनम्रता और पश्चाताप की ओर बढ़ते हैं।

3 वह ईश्वर है जो हमें पवित्र करता है

(लैव्यव्यवस्था 20:8)

हम जो नए नियम के समय में जी रहे हैं, उनके लिए परमेश्वर ने हमें पवित्र आत्मा दी है – यह एक बहुत बड़ा सौभाग्य है। साथ ही, हम अंतिम दिनों में जी रहे हैं। यीशु ने कहा, "अधर्म के बढ़ने से बहुतों का प्रेम ठंडा हो जाएगा (मत्ती 24:12)। पौलुस ने चेतावनी दी कि "कठिन समय आएगा" (2तिमोथी 3:1–5)।

फिर भी परमेश्वर ने हमें लाचार नहीं छोड़ा है। पवित्र आत्मा की शक्ति से, वह हमें पवित्र करता है। "जब वह, सत्य का आत्मा, आएगा, तो वह तुम्हें सब सत्य का मार्ग बताएगा" (यूहन्ना 16:13)। यीशु ने प्रार्थना की, "सत्य के द्वारा उन्हें पवित्र कर: तेरा वचन सत्य है" (यूहन्ना 17:17)।

हमें उसकी विधियों को मानने और उन पर चलने का आदेश दिया गया है (लैव्यव्यवस्था 20:8)। "यहोवा की आज्ञा निर्मल है, वह आँखों में ज्योति ले आती है"(भजन संहिता 19:8)। पवित्र जीवन केवल परमेश्वर के वचन का पालन करने से ही संभव है।

पवित्र लोगों के साथ रहने के लिए बुलाया गया

4 पवित्र आभूषणों के साथ जीने का आह्वान

(भजन 96:9)

स्नान और शुद्धिकरण के बाद, हम अपने बालों को कंघी करते हैं और साफ–सुथरे व्यवस्थित कपड़े पहनते हैं। पुरुष साफ–सुथरे कपड़े पहनते हैं, महिलाएँ शालीनता से कपड़े पहनती हैं। जब पहनावा उचित होता है तो हमस भ्य दिखते हैं। इसी प्रकार नम्रता, प्रेम, धार्मिकता करुणा और सच्चाई पवित्रता के आभूषण हैं। यशायाह मसीह के विषय में कहता है–उसकी कटि का फेंटा धर्म और उसकी कमर का फेंटा सच्चाई होगी। (यशायाह 11:5). प्रकाशितवाक्य 22:11 हमें सलाह देता है: "और जो पवित्र है, पवित्र बना रहे।"

हम क्यों पवित्र कि गए हैं?

हम पवित्र इसलिए बनाए गए हैं ताकि परमेश्वर इस पापी संसार में हमारा इस्तेमाल कर सके। वह चाहता है कि हम उसके मकसद के लिए सही बर्तन बनें – पवित्र और उसे खुश करने वाले। इस्तेमाल होने वाले बर्तन को बार–बार साफ करना चाहिए। इस्तेमाल न होने वाले बर्तन को दिखाने के लिए अलमारी में बिना छुए रखा जा सकता है। परमेश्वर के संतान के रूप में हम प्रतिदिन उसकी सेवा में इस्तेमाल होते हैं, इसलिए, नित्य दिन पवित्र होना जरूरी है। जो लोग वास्तव में परमेश्वर को ढूंढ़ते हैं, वे शिविर के बाहर मिलने वाला तम्बू में जाते हैं (निर्गमन 33:7)। आईए हम हर दिन स्वयं को पवित्रता के लिए नए सिरे से समर्पित करें, ताकि पवित्र परमेश्वर हमारे जीवन के द्वारा अपनी महिमा के लिए कार्य कर सके।

रेव्ह. एस. देवदास,
मिशनरी (सेवानिवृत्त), एफ.एम.पी.बी.

परमेश्वर की उपस्थिति में कैसे रहें

मेरी जिंदगी का मुख्य मकसद परमेश्वर की उपस्थित का आनन्द लेना है – इस पाठ को परमेश्वर ने स्वयं मुझे सिखाया है। मेरी किसी भी सेवा से ज्यादा जरूरी है कि मैं उसकी उपस्थिति में खुश रहना सीखूँ और प्रतिदिन अपने अंदर के मनुष्यत्व को मजबूत करूँ। सुसमाचार बाँटने के लिए, विश्वासियों को आगे बढ़ने में मदद करने के लिए, दुखी लोगों को दिलासा देने के लिए, और पापी दुनियाँ में पवित्र जीवन जीने के लिए, मुझे सबसे पहले लगातार परमेश्वर के सामने रहना होगा।

कई वर्षों तक, मैं सुबह जल्दी उठकर प्रार्थना करता था, परन्तु तब तक मुझे ध्यान की ताकत का एहसास नहीं हुआ था। परन्तु जब परमेश्वर ने मुझे उसके वचन पर ध्यान लगाने को प्राथमिकता देने के लिए कहा, तो मुझे उनकी उपस्थिति का महसूस होना आसान लगा। मेरा हृदय उसके सामने जल उठता था, और उस खुलेपन में, मैं उसके पास जा सकता था और उसका पूरा आनंद ले सकता था।

प्रति भोर को, मैंने नया नियम पर ध्यान करना शुरू किया – पढ़ना, अध्ययन करना, और अपनी आत्मा के लिए जरूरी पोषण पाना, दूसरों को सिखाने के लिए नहीं बल्कि अपनी आंतरिक जीवन को पोषण देने के लिए। मनन के दौरान, अंगीकार, स्तुति और प्रार्थना अपने आप होती थी, फिर भी मैंने अपना ध्यान आध्यात्मिक पोषण पाने पर रखा।

इससे पहले, मुझे अक्सर प्रार्थना में परमेश्वर की उपस्थिति को महसूस करने में मुश्किल होती थी और उस पर केन्द्रित करना मुश्किल लगता था। अब, जैसे ही मैं पवित्रशास्त्र पढ़ना और उस पर ध्यान लगाना शुरू करता हूँ, मुझे लगता है कि वह मेरे पास हैं और वह जो भी मेरे मन में लाता है, उसके बारे में उससे बात कर सकता हूँ। परमेश्वर के वचन पर ध्यान लगाना वह सुनहरी चाबी है जो उसकी उपस्थिति का प्यारा स्थान को खोलती है। परमेश्वर आपको इस उत्कृष्ट और परिवर्तनकारी अनुभव में आने के लिए बुलाता है।

– जॉर्ज मुलर (मूल रूप से 1992 में अरईकूवल में प्रकाशित; यहाँ पुनः प्रकाशित)

मिशनरी साक्षात्कार

जिन्होंने परमेश्वर की बुलाहट का पालन किया है...
जिन्हें आत्माओं को जीतने का बोझ है...
जो अंतर–संस्कृति में सेवा करना चाहते हैं...

यीशु मसीह का महान आदेश के लक्ष्य को पूरा करने का एक दुर्लभ अवसर

योग्यता: कम से कम योग्यता: 12वीं पास या उससे ऊपर
उम्र सीमा: अविवाहित: 18–30 वर्ष / विवाहित: 35 वर्ष तक
स्थान: मित्र सुसमाचार प्रार्थना दल, मुख्यालय: 29, हाई स्कूल रोड, अंबात्तूर, चेन्नई – 600 053 **तिथि:** शनिवार, 21 फरवरी, 2026
समय: प्रातः 8:00 बजे
संपर्क: 044–26570404 | 044–26574343 | 8073130527

प्रार्थना करें

बोर्ड परिक्षा लिखने वाले बच्चों के लिए

कृपया 2024-25 शैक्षणिक वर्ष की 10वीं और 12वीं की बोर्ड परिक्षाओं में बैठने वाले मिश्नरियों के बच्चों के लिए प्रार्थना करना न भूलें। कृपया उन्हें अपनी नियमित प्रार्थनाओं में याद रखें।

साथ ही एफ.एम.पी.बी. के सदस्यों और हमारे छात्रावासों के बच्चों के लिए भी प्रार्थना करें जो सार्वजनिक परिक्षाओं में शामिल होने वाले हैं।

10वीं कक्षा में पढ़ने वाले मिश्नरियों के बच्चे (2025-2026)

क्रम संख्या	बच्चों का नाम	अभिभावकों का नाम
1.	बेन्सी बी. निराला	– रेव्ह. बेनहूर एम.
2.	इवांजेलीन जियोनी	– रेव्ह. एल्बिन टी.
3.	रिमोन अभिषेक भुईयाँ	– रेव्ह. लौलिन भुईयाँ
4.	शैलेन्द्र सिंह	– रेव्ह. समारेन्द्र सिंह
5.	एरिना फ्लोरा	– श्री बिदुश कुमार नायक
6.	ग्लैडसन एन. पॉल	– श्री नागराजन एम.
7.	अर्जुन ऑगस्टीन	– श्री इमानुएल मुर्मू
8.	क्लिफोर्ड एजेकियाह राज	– श्री गोविंदराजन ई.
9.	लिज़ा जेनिस आर.	– रेव्ह. रामासामी वी.
10.	जेफ्रीन राजिश	– श्री ईवी ज्ञाना सेलिन एस.
11.	प्रियांसु	– रेव्ह. भोरसत बाबूभाई चिमनभाई
12.	शर्मोन कुमार	– रेव्ह. सुरकर रमेशभाई जोहुरम्ब
13.	विवेक पीटरसन नायक एम.	– रेव्ह. मंज्या नायक जी.
14.	ब्लेसी जेसलाइन	– श्री बरनबास ए.
15.	जेरेमियाह वेस्ली	– रेव्ह. गॉडविन किरुबाकरन
16.	एंजेल बोदर	– श्री बोदर अमृत भाई बच्चू भाई
17.	रैगलैंड गोल्डन	– श्री मायिलसामी टी.
18.	शर्लिन जोसाबेल जे.	– श्री जेबाकुमार पी.
19.	एस्तेर प्रिसिला	– श्री मुथु कुमार एम.

20.	सेरुबा मेलविन राज एस.	– श्री सेल्बाराज ए.
21.	सामुएल गुईटे के.	– रेव्ह. दाऊजापाओ गुईटे
22.	शारोन ग्लोरिया हंस	– रेव्ह. सुनिल कुमार
23.	जॉयस कसतिया नायक के.	– श्री संभुनाथ नायक
24.	बेट्टीना वी. जे.	– रेव्ह. विजय कुमार आर.
25.	तिमोथि लामतियांगलाल	– रेव्ह. जिम स्वाम
26.	ग्लेडसी कारा	– रेव्ह. सुनिल दाता कारा

12वीं कक्षा में पढ़ने वाले मिशनरियों के बच्चे (2025-2026)

क्रम संख्या	बच्चों का नाम	अभिभावकों का नाम
1.	अप्पूर्व	– रेव्ह. जुबाराज बर्धन
2.	शुभ्रा ज्योति कराड़ो	– श्री कराड़ो बिस्वा रंजन
3.	जेन अकिला	– रेव्ह. जॉनसन शंकर आई.
4.	अनुग्रह पॉल भुईयाँ	– रेव्ह. एसाव भुईयाँ
5.	करुणा सुसान अब्राहम	– रेव्ह. अब्राहम थॉमस
6.	आराधना	– श्री प्रभाकरन एन.
7.	इमानुएल जेबा सैम	– श्री बालामुरुगन वी.
8.	जे. शारोन एंजेलिन	– रेव्ह. जॉन सामुअल ए.
9.	साम पॉल पैट्रिक	– रेव्ह. आईज़क धनासिंह आर.
10.	सुदीप जॉय बीरो	– रेव्ह. संजय कुमार बीरो
11.	श्रील्टन सिंह	– रेव्ह. पॉल दयासिंह ए.वाई.
12.	अनोखी नारजरी	– श्री एरोनसिंह नरजरी
13.	एमिलीन जेसी	– श्री फेलिक्स कामलिगोल एडवर्ड एस.एस.
14.	डेरिक कैफेलिस आर.	– रेव्ह. रामासामी वी.
15.	शर्लिन रेशमा	– श्री ईबीआई ज्ञाना सेलिन एस.
16.	शारोन बारजो	– श्री पौलुस बरजो
17.	अर्पणा मिराक्लीन हैरिस	– श्री जॉन पौल हैरिस जे.
18.	अंकित पन्ना	– श्री जहर साई पन्ना
19.	जाबेज शाइन	– रेव्ह. रमेश वेलराज ए.
20.	स्टेनिश ग्राहमबेल	– रेव्ह. स्टीफन आर.
21.	पी. हनानी यहोशेबा	– रेव्ह. पीटर प्रभाकरन
22.	जिगेनबाल्ग जोशुआ	– श्री विक्टर जयसीलन सी.
23.	एडलाइन ब्लेसी जे.	– श्री जॉन दिनेश जी.एम.
24.	जेसन पॉल	– श्री कोनका गिरी बाबू
25.	जॉयस सोफिया	– श्री मीनुगा अड़ेप्पा / मैथ्यू

कैंसर जागरूकता, रोकथाम, और आशा

कैंसर बीमारियों का एक समूह है जिसमें एबनॉर्मल सेल्स की अनकंट्रोल्ड ग्रोथ होती है, और शरीर के दूसरे हिस्सों में फैलने या हमला करने की क्षमता होती है। कैंसर 100 से ज्यादा प्रकार के होते हैं जो इंसानों पर असर डालते हैं। इनमें सबसे आम हैं ब्रेस्ट कैंसर, लंग कैंसर, कोलोरेक्टल (कोलन और रेक्टम) कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर। दुनियाँ भर में, कैंसर एक बड़ी पब्लिक हेल्थ चुनौती बना हुआ है। कैंसर से होने वाली लगभग 33% मौतें जीवन शैली से जुड़ी कारणों से होती हैं, जैसे तंबाकू और शराब का सेवन, मोटापा, फलों और सब्जियों का कम सेवन और शारीरिक गतिविधियों की कमी। दूसरे कारणों में कुछ संक्रमण, आयनाइजिंग रेडिएशन के संपर्क में आना और एनवायरनमेंटल पॉल्यूटेंट शामिल हैं। खास वायरस, बैक्टीरिया और पैरासाइट से इन्फेक्शन दुनियाँ भर में लगभग 16–18% कैंसर के लिए जिम्मेदार है, जबकि लगभग 5–10% कैंसर विरासत में मिली जेनेटिक कमियों के कारण होते हैं। कैंसर दुनियाँ भर में मौत के मुख्य कारणों में से एक है। केवल 2020 में, इससे लगभग 10 मिलियन मौतें हुईं – दुनियाँ भर में हर छह मौतों में से लगभग एक। ग्लोबल कैंसर ऑब्जर्वेटरी (GLOBOCAN) के अनुसार, 2020 में दुनियाँ भर में कैंसर के लगभग 19.3 मिलियन नए मामले सामने आए। चीन और यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका के बाद भारत कैंसर के मामलों में तीसरे स्थान पर है। चिंता की बात यह है कि GLOBOCAN का अनुमान है कि 2040 तक भारत में कैंसर के मामले बढ़कर 2.08 मिलियन हो जाएँगे, जो 57.5% की बढ़ोतरी है।

विश्व कैंसर दिवस हर साल 4 फरवरी को मनाया जाता है ताकि कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके और इसकी रोकथाम, जल्दी पता लगाने और प्रभावशाली इलाज को बढ़ावा दिया जा सके। इसे 4 फरवरी 2000 को पेरिस में हुए न्यू मिलेनियम के लिए कैंसर के खिलाफ वर्ल्ड कैंसर समिट में शुरू किया गया था। विश्व कैंसर दिवस का मुख्य मकसद कैंसर से होने वाली बीमारी और मौतों को कम करना है। यह कैंसर से होने वाली अन्यायपूर्ण पीड़ा को दूर करने के लिए इंटरनेशनल कम्युनिटी को एकजुट करने के लिए एक ग्लोबल प्लेटफॉर्म के तौर पर भी काम करता है, जिसे रोका जा सकता है। यह दिन अधिकारिक तौर पर संयुक्त राज्य द्वारा मनाया जाता है। वर्ल्ड कैंसर दिवस गलत जानकारी को चुनौती देने, जागरूकता बढ़ाने और कैंसर से जुड़े स्टिग्मा को कम करने में

अहम भूमिका निभाता है।

दुनियाँ भर में, कैंसर से प्रभावित लोगों के साथ एकजुटता दिखाने और मिलकर काम करने को बढ़ावा देने के लिए हर साल सैकड़ों इवेंट और पहल की जाती हैं। विश्व कैंसर दिवस की थीम विश्व कैंसर दिवसे तीन साल के थीम साइकिल को फॉलो करता है, जिसमें हर थीम दुनियाँ भर में जागरूकता कैंपेन, पब्लिकेशन और आउटरीच प्रोग्राम को दिशा निर्देश प्रदान करती है। कुछ खास पिछली थीम में "हम कर सकते हैं, मैं कर सकता हूँ", "मैं हूँ मैं करूँगा", "क्लोज द केयर गैप", और "नॉट बियॉन्ड अस" शामिल हैं। साल 2025–2027 के लिए थीम "यूनाइटेड बाय यूनिक" है। यह थीम लोगों को देखभाल के सेंटर में रखने और उनकी पर्सनल कहानियों को बातचीत के सेंटर में रखने पर जोर देती है, यह मानते हुए कि हर कैंसर का सफर यूनिक होता है, साथ ही देखभाल और दया में एकता की ताकत को मजबूत करती है।

प्रार्थना का आह्वान

एफ.एम.पी.बी. परिवार

FMPB के एक परिवार के तौर पर, हमने इस खतरनाक बीमारी से अपने कई प्रिये जनों को खोने का दुख मनाया है, और आज भी, हममें से कुछ लोग हिम्मत और विश्वास के साथ कैंसर से लड़ रहे हैं। भारी हृदय और पक्की उम्मीद के साथ, हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे FMPB परिवार से कोई और इस सूची में शामिल न हो।

आईए हम प्रार्थना में एकजुट हों

- मिशनरीगण (श्रीमती अहोनी अचुमी और श्रीमती मनोरमा सुमंधा, (थायरॉइड कैंसर) रेव्ह. विनयराज (ब्रेन कैंसर), श्रीमती सिपोराह जीयरत्ना बीरो, श्रीमती मलिका पौलराज और श्रीमती मैरी सेबेस्टिन (ब्रेस्ट), श्रीमती एला जेम (सर्वाइकल), श्रीमती लिसी वावचन, श्रमती वसंता सुगुमारन), मिशनरियों के बच्चे लिस्सा मिरेकल (श्री डेनसिंह की बेटी), और हमारे प्रार्थना दल या मिशन मिशन क्षेत्र के दूसरे लोग जो कैंसर से परेशान हैं – परमेश्वर उन्हें पूरी तरह से चंगाई प्रदान करे।
- देखभाल करने वालों और परिवार के सदस्यों के लिए प्रार्थना करें कि परमेश्वर उन्हें कृपा, शक्ति, धैर्य और करुणा प्रदान करे, जब वे बीमारों की देखभाल करते हैं।
- जो लोग अस्पताल के बिस्तर पर कैंसर से लड़ रहे हैं – परमेश्वर उन्हें चंगाई प्रदन करे।
- प्रार्थना करें कि सस्ती और असरदार बचाव और इलाज की दवाएँ शीघ्र मिलने पाए जिससे यह बीमारी खत्म हो। परमेश्वर मरीजों को धीरज, शांति और भविष्य की आशा से भर दे।
- प्रार्थना करें कि अस्पतालों और हेल्थकेयर प्रणाली में मरीजों का शोषण न हो।
- प्रार्थना करें कि युवा पीढ़ी अपनी सेहत का ध्यान रखे और ऐसी बीमारियों से बचने के लिए बचाव के उपाय करे।
- प्रार्थना करें कि कैंसर के मरीजों और उनके परिवारों की पैसे और सारी भावनात्मक जरूरतें पूरी हो सकें।

विश्व कैंसर दिवस हमें न सिर्फ इस बीमारी की गंभीरता की याद दिलाए, बल्कि देखभाल करने, प्रार्थना करने, सहायता करने और विश्वास, दया और उम्मीद के साथ एक साथ खड़े होने की हमारी साझा जिम्मेदारी की भी याद दिलाए।

friends missionary prayer band

Whom shall I send? Who will go for us?

ARE YOU WILLING TO INVEST YOUR YOUTHFUL DAYS FOR CHRIST?

Come & join the family of FMPB

MISSIONARIES WANTED

A time to explore God's call!

Eligibility Criteria:

- Have you completed higher secondary (+2) or are you a graduate?
- Are you a bachelor or spinster who has completed 18 years of age and are below 30 years?
- Are you a married person aged 35 years or below?

If yes, you are eligible! **The opportunity before you:**

- Pioneer missionary • Church Planter • Medical Missionary
- Bible Translator • Missionary Teacher • Media Missionary

Friends Missionary Prayer Band (FMPB)

Human Resource Department (HRD)

29, High School Road, Ambattur, Chennai - 53

Email: hrd@fmpb.org / www.fmpb.co.in

044 2657 0404 / 2657 4343

FINANCE DEPARTMENT

FMPB Bank Account details for sending the offering through online transaction

A/c Name: **FRIENDS MISSIONARY PRAYER BAND**

ICICI - A/c No. 602701216912 - IFS Code ICIC0006027 - Branch: Anna Nagar

ICICI Bank UPI ID: fmpb@icici

SBI - A/c No. 10402752621 - IFS Code SBIN0000987 - Branch: Ambattur

Indian Bank - A/c No. 406157474 - IFS Code IDIB000A599 - Branch: Vijayalakshmipuram, Ambattur

Kindly contact us: **finance@fmpb.org, WhatsApp: 7904648270**

QR Code
facilities to send your offertory

Kindly avail the BARCODE facility also to send your offertory to the ministries of FMPB.

ईश्वर का दर्पण

एक शक्तिशाली एवं व्यवहारिक समझ वाली पुस्तक है जो स्पष्ट करती हैं कि आज आप मसीह के साथ अपनी आत्मिक यात्रा में कहाँ खड़े हैं। संत यूहन्ना के जरिए बताए गए, प्रकाशित वाक्य 2 और 3 अध्याय में मसीह ने सात कलीसियाओं को जो भविष्यवाणी क संदेश दिया था उनसे यह पुस्तक इस संदेश को आत्मिक दर्पण की तरह दिखाती है, जिससे विश्वासियों की सत्य के प्रकाश में अपनी आंतरिक जीवन को देख सकते हैं। कलीसियाओं को दिया गया हर संदेश अलग–अलग समय में मसीहियों की आत्मिक स्थिति की हमेशा रहने वाली झलक दिखाता है।

इस पुस्तक में दी गई बातें आपकी आत्मिक विकास को दिश निर्देश प्रदान करेगी और न सिर्फ परमेश्वर के साथ आपके व्यक्तिगत यात्रा के लिए बल्कि आपके जीवन के द्वारा दूसरों को परमेश्वर के राज की ओर ले जाने के लिए भी एक मील के पत्थर का काम करेंगी। यह सेवकाई और सामुहिक बाईबल अध्ययन के लिए एक अच्छा श्रोत है।

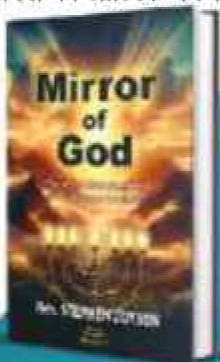

कीमत 100/–

पथ प्रदर्शक

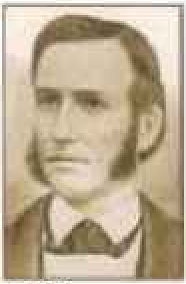

मार्कस वाईटमैन:
दया का बलिदानपूर्ण जीवन

सुबह–सुबह, डॉ. मार्कस वाईटमैन वाइलेटपु– "राई घास स्थान" के मिशन परिसर में पहुँचे। दस साल पहले, यह स्थान एक जंगल था जहाँ सिर्फ जंगली जानवर और मूल निवासी कबीले रहते थे। अब, वाईटमैन की प्रयासों की वजह से, जमीन बदल गई थी, जिसमें कृषि भूमि, बाग, जानवर और एक चक्की (मक्का पीसने के लिए) थी।

फिर भी यह बदलाव एक गहरी सांस्कृतिक टकराव की निशानी थी। खाली जगह के एक तरफ केयूज कबीले (नेटिव अमेरिकन कबीला) के लॉज थे, जहाँ से दुख की दबी हुई आवाजें गूँज रही थीं। दूसरी तरफ, पाँच ढँकी हुई गाड़ियाँ पश्चिम की ओर बढ़ने की लहर को दिखा रही थीं।

बीच में मार्कस और नार्सिसा व्हिटमैन थे। वे पूर्वपश्चिम में सुसमाचार लाने के लिए न्यूयॉर्क का गाँव छोड़कर आए थे। जब वे पहली बार आए, तो कुछ केयूज़ लोगों ने उनका स्वागत किया तथा जादू–टोना, हिंसा और अनचाहे बच्चों को जिंदा दफनाना छोड़ दिया। उन्होंने खेती करना सीखा, मवेशियों को पाला और अपने परिवारों की देखभाल की।

डॉक्टर मार्क का जन्म 9 अप्रैल 1822 को न्यूयॉर्क के फेडरल हॉलो में हुआ था। वह एक मेडिकल मिशनरी थे जो अपने परिवार के साथ आज के वाला वल्ला, वाशिंगटन के पास केयूस भारतीयों के बीच में काम करते थे। उनकी पत्नी, नार्सिसा, ने शादी से पहले ही मिशनरी काम के लिए स्वयं को समर्पित कर दिया था। इस जोड़े ने, जिनकी शादी 1836 में हुई थी, ग्रामीण न्यूयॉर्क छोड़ दिया और ABCFM द्वारा मिशनरी नियुक्त किए गए, वे स्लेज, नहर की नाव, घोड़ा गाड़ी और रॉकी पहाड़ों पर पैदल यात्रा करते थे, और 25 मई को वाला वल्ला के पास एक मिशन स्थापित किया।

स्वस्थ सेवा: सभी केयूज कृतज्ञ नहीं थे। व्हिटमैन के लिए डर और शक बढ़ गया – खासकर जब केयूज में खसरे की जानलेवा महामारी फैली। कई लोगों की मृत्यु इसलिए हुई क्योंकि वहाँ के मूल निवासियों में गोरों की तुलना में बीमारियों से लड़ने की ताकत कम थी। परन्तु लोगों को शक था कि व्हिटमैन उन्हें जहर दे रहा है (केयूज के लोग जानते थे कि व्हिटमैन ने उन भेड़ियों को जहर दिया था जिनका वह शिकार कर रहा था)। डॉ. व्हिटमैन की पूरी कोशिशों के बावजूद, कई लोग मर गए। केयूज के रिवाज के अनुसार, अगर कोई ओझा (तेवात) ठीक नहीं कर पाता, तो उसे मार दिया जाता था। इसलिए, मूल निवासी डॉ. व्हिटमैन से बदला लेना चाहते थे। पूरब से गोरे लोगों के लगातार आने से भी गुस्सा बढ़ता गया। गोरों पर उनकी जमीन और घोड़ों पर कब्जा करने का आरोप लगाया गया। यह जानने के बावजूद व्हिटमैन अपने समर्पण से पीछे नहीं हटा।

फिर भी, उन्होंने एक अस्पताल, स्कूल और अनाथालय की स्थापना की।

व्हिटमैन्स ने अपने मिशन के काम के लिए पहले ही

सब कुछ –पैसा, घर, परिवार, दोस्त, सेहत छोड़ दिया था । नार्सिसा की सेहत खराब थी, और उनकी इकलौती बेटी, एलिस क्लेरिसा की मृत्यु दो साल की उम्र में वाला वल्ला नदी में डूबने से हो गई थी। इन सबके बावजूद, वे उन केयूस इंडियंस के लिए अपनी जान देने को तैयार थे जिनसे वे प्रेम करने लगे थे।

नरसंहार: 29 नवंबर, 1847 को, उन्होंने नार्सिसा को बिस्तर पर भेज दिया और उसकी जगह गोरे और नेटिव दोनों बीमार बच्चों की देखभाल करने लगे। दोनों में से किसी को नहीं पता था कि ये उनके आखिरी घंटे होंगे। दुश्मन केयूज का एक ग्रुप अपने मुख्या के साथ मिशन हाउस में दवा माँगने पहुँचा। डॉ. मार्कस व्हिटमैन, जो हमेशा दयालु रहते थे, मदद के लिए अपना बैग लेकर निकले, लेकिन पीछे से एक टॉमहॉक (एक तरह की कुल्हाड़ी) से उन पर वार किया गया और वे मारे गए। गोलियाँ चलने लगीं, और अफरा–तफरी मच गई।

गोलियों की आवाज सुनकर नार्सिसा व्हिटमैन ने अपना ख्याल नहीं रखा, बल्कि सेगर अनाथ लड़कियों को बचाया, दरवाजा बंद करके उन्हें अपने पास इकट्ठा कर लिया। उसकी कोशिशों के बावजूद, खिड़की से एक गोली उसके कंधे पर लगी।

बाहर, पूर्वी इमिग्रेंट्स मारे गए। एंड्रयू रोजर्स, एक मिनिस्टीरियल स्टूडेंट, कंपाउंड को बचाने के लिए दौड़ा और बुरी तरह घायल हो गया। फिर भी, वह नार्सिसा और लड़कियों को एक लॉफ्ट में ले जाने में कामयाब रहा, और टूटी हुई बंदूक की बैरल से हमलावरों को एक घंटे से ज्यादा समय तक रोके रखा।

आखिरकार, घायल नार्सिसा को सुरक्षा के वादे देकर धोखा दिया गया। बाहर निकलते समय, वह अपने मरते हुए पति के पास से गुजरी, जिसने उसे परमेश्वर में अपने प्रेम और विश्वास का भरोसा दिलाया। जैसे ही वह बाहर निकली, उसे कई गोलियाँ लगीं और उनकी मृत्यु हो गई।

नार्सिसा ने उसे सब कुछ दिया था – पालन–पोषण, पढ़ाना, और केयूस के साथ अपना विश्वास बाँटना। वह मरते दम तक वविश्वासयोग्य बनी रहीं।

नरसंहार जारी रहा, जिसमें सभी ठीक–ठाक आदमी मारे गए। महिलाओं और बच्चों के साथ बुरा बर्ताव किया गया और उन्हें फिरौती के लिए बंधक बनाया गया, जिसके बाद उन्हें नाटकीय घटनाओं के बाद बचाया गया।

कई वर्षों के बाद, व्हिटमैन हत्याकांड का न्याय हुआ। कुछ हत्यारों को एक ईसाई नेज पर्स चीफ ने ब्लू माउंटेन्स में पता लगाया और लड़ाई में मार डाला। मार्कस और नार्सिसा व्हिटमैन को मारने वालों समेत पाँच लोगों को दोषी ठहराया गया और एक न्यायपीठ ने उन्हें फाँसी दे दी, जिसमें मूल अमेरिकी भी शामिल थे।

बलिदान का फल: क्या उनकी शहादत बेकार गई? नहीं। हालांकि वैलाटपू के बारे में ज्यादा पता नहीं चला, परन्तु यह दुखद घटना पूर्वी अखबारों की हेडलाइन बन गई, जिनके जरिए व्हिटमैन परिवार को पहली बार उनकी मौत के बारे में पता चला। उनकी कहानी ने पूरे US में आत्माओं के लिए बोझ की लहर पैदा कर दी। उनकी साहस से प्रेरित होकर, कई युवाओं ने खुद को मसीह की सेवा के लिए समर्पित कर दिया।

व्हिटमैन के करीबी दोस्त हेनरी स्पैल्डिंग मिशन के काम पर लौट आए और उन्होंने केयूस और नेज पर्स के बीच आध्यात्मिक फसल देखी। तिमोथी नाम का एक मुखिया एक पक्का मसीही बन गया। स्पैल्डिंग ने इडाहो में जो चर्च बनाया था, वह आज भी व्हिटमैन की विरासत को श्रद्धांजलि के तौर पर खड़ा है।

US कैपिटल में, मार्कस व्हिटमैन की एक मूर्ति खड़ी है, जिसके एक हाथ में बाइबिल और दूसरे हाथ में मेडिकल बैग है – जो उनके जीवन के मिशन की निशानी है। हालांकि कुछ लोगों ने उनकी देखभाल को मना कर दिया था, परन्तु उनके दयालु बलिदान बेकार नहीं हुआ।

आपके हाथ में क्या है? मार्कस के पास एक बाइबिल और एक मेडिकल किट थी, ये वो औजार थे जिनका इस्तेमाल उसने अपनी जान देकर भी जिंदगी बदलने के लिए किया। आपके पास जो कुछ भी है – पैसा, पढ़ाई, टैलेंट, समय – उसे परमेश्वर के राज्य के लिए दे दें। इसे राज्य के लिए समझदारी के साथ निवेश करो। इसे परमेश्वर के उद्देश्य के लिए समर्पित कर दें।

friends missionary prayer band

To tend the olive shoots- the second generation believers

WANTED Teachers

WE ARE HIRING

PASSIONATE AND QUALIFIED TEACHERS

School at Jharkhand (Pandeni)
Mathematics / Hindi / History / PET

School at Gujarat (Jhawda)
Physics / Chemistry

WHY JOIN US?

- It is an opportunity to serve our Lord Jesus Christ through your profession for a few years in your lifetime.
- This is an investment for The Lord's Kingdom's sake in the life of young believers.
- An opportunity to transform communities by giving good education to them.

WHO CAN APPLY

- A candidate who is born again and with a Missionary heart who are willing to stay on campus.
- A candidate with good knowledge of the subject.
- A candidate with a good communication skill in English.

Join our team as we are involved in shaping the future of the children from the marginalised society!

Salary for Teachers

Any UG degree with BEd. - Rs.25000/-
Any PG degree with BEd. - Rs. 27000/-

Send your Resume to the HRD

hrd@fmpb.org

For further details please contact FMPB, 28, High School Road, Ambattur, Chennai 53. ☎ 044-26570604 / 2653395

मत्या

कलीसिया का इतिहास
टेलो मिशन क्षेत्र,
संथाल साहिबगंज क्षेत्र

लेखक: रेव्ह. एल. मसिलामणि

सामान्य जानकारी

मटिया झारखंड के साहिबगंज जिले के बोरियो प्रखण्ड का एक माध्यम आकार का गाँव है। भारत के संविधान और पंचायती राज एक्ट के मुताबिक, मटिया गाँव का प्रशासन सरपंच (गाँव का मुखिया) करता है, जो गाँव का चुना हुआ प्रतिनिधि होता है। बड़ा रक्सो मटिया गाँव की ग्राम पंचायत है। मटिया गाँव में झारखंड के मुकाबले साक्षरता दर कम है। मटिया गाँव में, गाँव की ज्यादातर आबादी अनुसूचित जाति (ST) के हैं। मटिया गाँव की कुल आबादी में अनुसूचित जाति (ST) की आबादी 46.09% है। साहिबगंज के मटिया गाँव में अनुसूचित जाति (ST) की कोई आबादी नहीं है। यह टेलो मिशन क्षेत्र में है। यह बिशुनपुर पस्टोरेट के अंदर आता है।

आरम्भ

15 अक्टूबर 1993 से 31 दिसंबर तक श्री सुधाहरन परिवार एवं फ्रैंकलिन परिवार बोरियो में रह रहे थे और श्री एलियास उन्हें संताली भाषा पढ़ना और संताली व्याकरण सिखा रहे थे। फिर संताली भाषा में बात करने के लिए उन दोनों को बाड़ीटोला गाँव भेजा गया। वहाँ भाई जेबाराज की मदद से उन्होंने जनवरी और फरवरी 1994 में संताली भाषा में बात करना सीखा। मार्च 1994 के आखिर तक उन्हें मिशन क्षेत्र आवंटित कर दिए गए। भाई फ्रैंकलिन को कथुवा मिशन क्षेत्र और भाई सुधाहरन को टेलो मिशन क्षेत्र दिया गया।

टेलो मिशन क्षेत्र 1 अप्रैल 1994 को खोला गया था। सुधाहरन परिवार इस मिशन क्षेत्र के प्रथम मिशनरी थे। 9 अप्रैल को वहाँ के सुसमाचार जोहान हंसदा अपने परिवार के साथ उनके साथ जुड़ गए। वे बोरियो गाँव में एक किराए के घर में रहे।

बाद में वे और प्रचारक परिवार एक महीने बाद खेरवा गाँव चले गए और किराए के घरों में रहने लगे। सुधाहरण के इस क्षेत्र के मिशनरी के तौर पर रहने के दौरान, 1994 में, मटिया गाँव में सुसमाचार का प्रचार किया गया।

एफ.एम.पी.बी.सेवकाई

एलिजाबेथ मुर्मू

एलिजाबेथ मुर्मू प्रथम विश्वासी सामुएल सोरेन (पहले सोमाई सोरेन) की पत्नी थीं, जो गाँव की पहली विश्वासिनी थीं। दोनों ने यीशु मसीह को अपना लिया और छह साल तक बच्चा न होने के बाद 21 अगस्त 1996 को मिशनरी सुधाकरन ने उन्हें बपतिस्मा दिया, और परमेश्वर ने उन्हें एक बेटे का आशीर्वाद दिया। उनके साथ लगभग तीस लोगों ने बपतिस्मा लिया जिनमें सात परिवार शामिल थे। बाद में, कुरु सोरेन के बिच्छू के काटने से ठीक होने और एलिजाबेथ मुर्मू के प्रार्थना से पैर के घाव से ठीक होने की वजह से और भी कई गाँव वालों ने यीशु मसीह को अपना लिया।

आराधना सेवाएँ

आराधना का संचालन चार वर्षों तक दानियेल सोरेन के घर के छपरी में होती थी जो मांजी टोला में है। आराधना स्थल पर 35 लोग इकट्ठे होते थे। एलिजाबेथ मुर्मू के पिता सॉल मुर्मू आराधना का संचालन करते थे। वे CNI कलीसिया से थे। क्योंकि उनके पति दूसरे धर्म के थे, इसलिए उन्होंने और उनके परिवार के सदस्यों ने बपतिस्मा ले लिया। बाद में आराधना कार्यक्रम को जाहेर टोला में स्थानांतरित कर दिया गया क्योंकि अधिकतर विश्वासीगण उसी गाँव से थे।

कलीसिया का निर्माण

बरनबास मुर्मू ने कलीसिया का निर्माण करने के लिए अपनी जमीन दी थी।

बरनबास मुर्मू

उनकी गवाही: मैं इस गाँव से बरनबास मुर्मू हूँ। मैंने चर्च के लिए तीन से चार कट्ठा जमीन दान की क्योंकि मैंने देखा कि विश्वासियों के पास संगति करने के लिए कोई जगह स्थान नहीं था। पहले मैं एक शराबी और गाँव का नेता था जो लोगों को गुरुओं के पास ले जाता था और ईसाइयों का विरोध करता था – यहाँ तक कि पहला विश्वासी (सैमुअल सोरेन के ससुर) को मार डालने के लिए आराधना की योजना बनाता था। त्याग के बावजूद मेरे पिता बहुत बीमार पड़ गए और एक रिश्तेदार की मौत हो गई। एक ईसाई गीत – 'जिंदगी में दुख तो होंगे लेकिन शांति भी होगी' – ने मुझे और मेरे परिवार को छू लिया और हम सब मसीही बन गए। अब हम अपनी जमीन पर काफी अनाज उगाते हैं, और मुझे गाँव का नेता चुना गया और मैं कलीसिया का प्रथम प्राचीन हूँ।

कलीसिया भवन के निर्माण कार्य का आरम्भ 2006 में बिना किसी विरोध के शुरू हुआ, हालांकि सड़कों की कमी के कारण सामान का ट्रांसपोर्ट मुश्किल था। कंक्रीट की छत के साथ बना यह पक्का चर्च, विश्वासियों की मदद से पूरा हुआ, जिन्होंने काम किया।

जब दूसरे लोग 60 रुपये कमाते थे, तब उन्हें 30 रुपये प्रतिदिन मिलते थे। मिशनरी जीवन रंजन ने काम की देखरेख की और रेव्ह. देवदास ने 20 अप्रैल 2007 को कलीसिया को परमेश्वर की महिमा के लिए समर्पित किया।

समर्पण

अक्टूबर 2009 में, केरल से मटिया चर्च के प्रायोजक श्री स्टीफन राज मटिया कलीसिया चर्च आए। विश्वासियों ने कार्यक्रम का प्रबन्ध बहुत ही शानदार तरीके से किया था। मीटिंग के लिए 400 से ज्यादा लोग इकट्ठा हुए। विजिटर तीन लोग थे और वे कार्यक्रम और उन्हें मिले स्वागत को देखकर बहुत खुश हुए।

इस चर्च में माटिया के पाँच टोल और कुदाल के पाँच परिवार आते हैं, जिसमें 20–50 लोग नियमित रूप से भाग लेते हैं। आराधना का सुचालन कलीसिया का प्राचीन बरनबास मुर्मू और इमानुएल किस्कू करते हैं। सुसमाचार प्रचारक हर महीने आते हैं, मिशनरी साल में 3–4 बार आते हैं, और पिछले वर्ष दो परिवारों का बपतिस्मा हुआ। चढ़ावे में धन्यवाद बलि, गवाही, प्रथम फल, दशवाँ अंश और मुट्ठी भर चावल शामिल हैं।

चंगाई की गवाही

- मेरा नाम एलिजाबेथ मुर्मू (पहले संजली मुर्मू) है। मेरे पैर में बहुत ज्यादा चोट लगी थी और मैंने एक स्थानीय ओझा गुरु (तांत्रिक से मदद मांगी, जिन्होंने कहा कि एक बुरी आत्मा हमें बिना शादी के साथ रहने की सजा दे रही है और ठीक होने के लिए महंगे जानवरों की बलि देने की माँग की। हम उन्हें दे पाने में असमर्थ थे, इसलिए हम लाचार थे। फिर हमने यीशु मसीह का सुसमाचार सुना। उस पर विश्वास किया, और उसे अपना मुक्तिदाता मान लिया। जब मिशनरियों ने मेरे लिए प्रार्थना की, तो मैं पूरी तरह चंगी हो गई।
- 13–12–1997 को मटिया गाँव की मार्थिना मिशनरी के घर आई। उसने मिशनरियों को बताया कि उसके सीने में एक घाव है जिससे बहुत दर्द हो रहा है। उसने उनसे पूछा कि क्या इलाज के लिए डॉक्टर के पास जाना चाहिए।

मिशनरी ने सलाह दी कि उसके गाँव के विश्वासियों को उसके लिए प्रार्थना करनी चाहिए। मिशनरियों ने अपने घर पर उसके लिए प्रार्थना की और उसे उसके गाँव भेज दिया। अगले शनिवार को, उसने मिशनरियों को बताया कि मंडली के विश्वासियों ने उसके लिए प्रार्थना की और परमेश्वर ने उसको पूरी तरह चंगाई दे दिया है।

- सिबू सोरेन और उनकी पत्नी माकू हंसदाक सफा धर्म को मानते थे, सूरज और दूसरे देवताओं की पूजा करते थे, मांस, नमक से परहेज करते थे, और मानते थे कि गंगा पापों को धो सकती है। अक्सर उनपर आत्माओं का आक्रमण होता था और वे बिना खाए रह जाते थे। UP में काम से लौटते समय उनके बेटे ने उनसे मसीह को अपनाने की गुजारिश की, क्योंकि उन्हें अपने विश्वास से कोई इलाज नहीं मिला। हालाँकि शुरू में वे नाराज थे, परन्तु आखिर में उन्होंने मान लिया। इवेंजलिस्ट जोहान हंसदा और पौलुस मुर्मू ने उनके लिए दो बार प्रार्थना की – पहले उन्होंने विरोध किया, परन्तु बाद में वे शांत हो गए, खाना खाया, और ठीक हो गए और बुरी आत्माओं से बच गए। 29 जून 1998 को, उन्होंने अपने विश्वास का अंगीकार किया।
- बरनबास मुर्मू के अंधे बैल को तब नजर मिली जब उसने परमेश्वर को अपनाया और विश्वास के साथ प्रार्थना की।

इस क्षेत्र में काम करने वाले मिशनरीगण

इस मिशन क्षेत्र के अग्रगामी मिशनरी सुधाकरन थे, जिन्होंने 1995 से 1999 तक सेवा की। उनके बाद जीवन रंजन आए, जिन्होंने 1999 से 2007 तक सेवा की। उनके बाद, सी.एच. जॉन ने 2007 से 2011 तक सेवा की, और 2011 से, केनेडी सिंह इस मिशन क्षेत्र में विश्वास के साथ सेवा कर रहे हैं।

छोटे समूह की सेवकाई

2004 में शुरू हुई और जेट टोला में मार्टिना सोरेन की अगुवाई में शुरू हुई स्मॉल ग्रुप्स मिनिस्ट्री, हर मंगलवार और शुक्रवार को दो घंटे के लिए मिशनरीगण एवं इवेंजेलिस्ट, बीमारों और उनके परिवारों के लिए प्रार्थना करने के लिए मिलती थे। वे सुसमाचार प्रचार करने और प्रार्थना करने के लिए घरों में भी जाते थे, जिससे कई लोगों को चंगाई मिली और मसीह के ग्रुप में नए विश्वासी जुड़े।

सिंचाई परियोजना

मई 2010 में, डॉ. एडवर्ड राजा की अगुवाई में मटिया गाँव में एक सिंचाई योजना कार्यक्रम पूरा हुआ। इसके बाद, सरकार ने मटिया और आस–पास के गाँवों में एक लिफ्ट सिंचाई प्रोजेक्ट आरम्भ किया। डॉ. राजा ने विश्वासियों को इसमें हिस्सा लेने के लिए हिम्मत दी, और मिलकर कोशिश करने से यह योजना सफल हुआ। सरकारी अधिकारियों ने दौरा किया, इस कामयाबी की तारीफ की, और मिशनरियों के भूमिका की तारीफ की, यह देखते हुए कि ऐसे सहयोग से दूसरे संथाल और माल्टो गाँवों को भी लाभ पहुँच सकता है।

आशीषें

परमेश्वर ने 56 आराधना दल और 20 आराधना करने वाले दलों की स्थापना की है। तीन गिरजाघरों का निर्माण कार्य चल रहा है। पाँच स्थानीय प्रचारकों के परिवार और प्राचीनों के 84 परिवार विश्वास के साथ सेवा कर रहे हैं। करीब 163 बच्चे दो दैनिक सेवा केन्द्रों में अध्ययन कर रहे हैं।

प्रार्थना बिंदु

1. प्रार्थना करें कि मौजूदा सेवा के तहत हर गाँव तक सुसमाचार पहुँच सके।
2. ज्यादा से ज्यादा जरूरतमंद गाँवों तक मूलभूत सुविधाएँ जैसे – साफ पानी, बिजली, हेल्थकेयर और शिक्षा पहुँच सके।
3. मलेरिया, टाइफाइड, क्षय रोग और कालाजार जैसी बीमारियों से बचाव के लिए प्रार्थना करें।
4. बहुत से पुरुष काम के लिए बाहर जाते हैं, इसलिए आस–पास नौकरी के अवसरमिलने और परिवारों को मजबूत बनाने के लिए प्रार्थना करें।
5. प्रार्थना करें कि युवाओं में आध्यात्मिक पुनरुत्थान हो और वे कलीसिया के अगुवों के रूप में आगे बढ़ें।
6. प्रार्थना करें कि कुपोषण के कारण होने वाली कम उम्र में होने वाली मौतें खत्म हो।
7. लोगों को शराब की लत से पूरी तरह छुटकारा मिले।

हम नया जन्म पाए हुए

मसीहियों की भर्ती कर रहे है

प्रशासनिक अधिकारी बाल संरक्षण

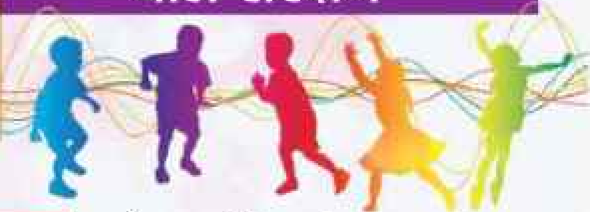

योग्यताः समाजिक कार्य में स्नाकोत्तर (WMS/स्नाकोत्तर) हिंदी अनिवार्य

अनुभवः बाल कल्याण, परामर्श या सामुदायिक विकास में न्यूनतम 2 वर्ष का अनुभव

स्थानः उत्तर भारत में स्थानन

हमारे बारे में: हम विश्वास पर आधारित, गैर लाभकारी संस्था हैं जो बच्चों और युवाओं के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं, उन्हें प्रेम, देखभाल और अवसरों से पोषित करती है, ताकि उनका भविष्य उज्ज्वल हो सके।

आवेदन कैसे करें: 20 फरवरी 2026 से पहले hrd@fmpb.org पर आवेदन करें

हम कर रहे हैं

भर्ती

स्थानः अंबत्तूर, चेन्नई

प्रकारः पूर्णकालिक

अनुभवः कम से कम 5 वर्ष

योग्यताः नया जन्म का अनुभव

मीडिया कर्मी

आवश्यकताः

कैमरों को संभालने में कुशलता

अंतिम कार्यसाधक ज्ञान

कट प्रो (FCP), एडोब प्रीमियर प्रो, एवं आफ्टर इफेक्ट्स

ग्राफिक डिजाइनर

आवश्यकताः

Adobe में अच्छी जानकारी

फोटोशॉप, इनडिजाइन, एवं कॉरल ड्रॉ

आवेदन कैसे करः कृपया अपना रिज्यूमे यहां भेजें:

communication@fmpb-org, media@fmpb-org संपर्क: **98419 73020**

1
फरवरी
रविवार

जन्मदिन मुबारक

श्री बेंजामिन ज्योति
श्री अरोनसिंह नरजरी, श्री शंकर एम.
श्रीमती कांति देवी शिवशंकर

जम्मू

घारः लुंजलाल सोंगथैट एवं मैरी नेंगनेइकिम

स्तुतिः लक्ष्मी और उनके परिवार के लोग सुसमाचार में रूचि दिखा रहे हैं। प्रेमसिवा को मिली अच्छी सलाह के लिए, जिससे वह नियमित तौर पर कलीसिया की आराधना सेवाओं और प्रार्थना सभाओं में शामिल हो पाया। परमेश्वर की कृपा से क्रिसमस की सभी कार्यक्रम बिना किसी रूकावट के सफलतापुर्वक संचालित की गई।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि बिमल प्रकाश को परमेश्वर के अनुभव प्राप्त हो। चर्च के सामने दूसरे धर्म की आराधना की जगह होने से नए विश्वासियों को डर लगता है, प्रार्थना करें कि परमेश्वर उनके ह्रदयों में हिम्मत की भावना लाए। इस इलाके में सेवा करने के लिए स्वयं सेवकों के तैयार होने के लिए प्रार्थना करें। हाल ही में अपने पति को खोया नई विश्वासिनी सरोजिनी के सांत्वाना के लिए प्रार्थना करें और उनकी जमीन से जुड़े मामलों के बारे में उन्हें न्याय मिले।

रामनगरः

जॉन एजुंग एवं लिबेनी जामी

स्तुतिः तीन नए गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया जा रहा है, और चंगाई प्रार्थना सभाएँ आयोजित की जा रही हैं। दो–तीन जगहों पर होने वाले बच्चों के बाइबल क्लब के लिए प्रार्थना करें। टपलल में गाँव में क्रिसमस कार्यक्रम बिना किसी रुकावट के आसानी से हो गया। परमेश्वर की दया से अशोक के परिवार को विदेश जाने का वीजा मिल गया।

प्रार्थनाः राज कुमार की पत्नी के मन फिराव के लिए प्रार्थना करें जिसने बाइबिल जला दी और अपने परिवार में कई मुश्किलें खड़ी कर दी हैं, ताकि प्रभु उसका ह्रदय को नम्र बनाए शांति वापस लाए। तपलाल गाँव में समीर जन समूह का संजय कुमार, जो सुसमाचार को बड़े जोश के साथ सुन रहा है, प्रार्थना करें कि उन्हें प्रभु यीशु मसीह में एक सच्चा और बचाने वाला विश्वास मिले। रामनगर क्षेत्र में आराधना करने के लिए एक सही जगह मिलने पाए। सुसमाचार का विरोध करने वालों की निगरानी में रहने वाले हमारे मिशनरी परिवारों पर परमेश्वर की सुरक्षा लगातार बनी रहे। राम नगर तालुका के सभी लोगों पर हमारे प्रभु यीशु मसीह का प्यार छा जाए और उनकी इच्छा के अनुसार सुसमाचार के खिलाफ हो रहे सभी विरोध खत्म हो जाएँ।

2 फरवरी सोमवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती वसंती रानी जॉर्ज
श्रीमती रोजिला मुसाहारी
श्रीमती जॉयस शोभना पोन ऑगस्टिन
श्री मार्कस मालतो आर., श्रीमती मानिनी बेबरता अरसावन
श्री जोसेफ किरुबागरन एस.

हिमाचल प्रदेश

करसोग:

पवन कुमार एवं प्रभाशिनी देवी

स्तुतिः सुनील ने प्रार्थना कक्ष बनाने के लिए अपनी भूमि दान दी है। सपना को रक्तस्राव की दिक्कतों चंगाई मिली। संथाराम बिना किसी सर्जरी के किडनी स्टोन से चंगाई मिली। परमेश्वर की अनुग्रह से विश्वासियों के बीच एकता बनी हुई है।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि स्वप्ना के बेटे आशीष को कान दर्द और गले की सूजन से चंगाई मिले। प्रीति का सुरक्षित प्रसव हो। सुनीता के बेटे डाक्स के पेट के दर्द ठीक हो जाए। केशी को बुरे सपनों से छुटकारा मिले। बसंतपुर में जल्द ही बिना किसी रुकावट के एक प्रार्थना कक्ष का निर्माण किया जा सके। प्रभु सानीय प्रचारक संदीप के परिवार का प्रभावशाली तरीके से इस्तेमाल करें। हमारे मिशनरी के भाई सितेंद्र कुमार, जिनका हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है, शीघ्र ही पूरी तरह ठीक हो पाए।

पंजाब

बठिंडा:

संजीब आनंद एवं प्रस्तुति पानी

स्तुतिः सात जगहों पर क्रिसमस कार्यक्रम मनाया गया। बंधसिंह को एक एक्सीडेंट में लगी कूल्हे में चोट से प्रार्थनाओं के द्वारा चंगाई मिल रही है। रमन कौर को शैतानी बंधन से छुटकारा मिला। दिल की बीमारी और अस्थमा से पीड़ित इकबाल सिंह को धीरे धीरे चंगाई मिल रही है।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि परमेश्वर इस मिशन क्षेत्र के लिए पक्के स्थानीय प्रचारकों को खड़ा करे। बंधा सिंह की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जिनके हाथ, घुटने और रीढ़ की हड्डी एक दुर्घटना में कई फ्रैक्चर हुए थे, प्रार्थना करें कि जोरावर, गोबी, साजन, पागी और गगनदीप नाम के नौजवान चर्च की सेवाओं में बढ़–चढ़कर हिस्सा लें। जसवीर सिंह, जीवन सिंह और बारहठ सिंह को शैतानी बन्धन से छुटकारा मिले। संदीप, कुलदीप, इंद्रेश और राधे श्याम को शराब की लत से छुटकारा मिले। पुर्स सिल, धीयालपुरा बैगा, थुलेवाल, कोलुके, गुमटी कलां, राजकर, अधमपुरा, सेलबारा, गंगर और संदथू खुर्द गाँवों में सुसमाचार प्रचार के लिए द्वार खुलें।

3
फरवरी
मंगलवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती मुरुगम्मल एस्तेर अल्बर्ट प्रभाकरन

संगरूरः

गिम्मल दिलीप भाई एवं बिरारी रीताबेन

स्तुतिः एक 2 वर्षीय लड़का आर्या जो छत की सीढ़ियों से बेहोश हो गया था, चर्च के एल्डर्स की प्रार्थनाओं से उसे होश आ गया। तीन जगहों पर क्रिसमस कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किया गया। परमेश्वर ने गगन और सेंगी के परिवारों को एक संताने का आशीर्वाद दिया। कड़ी सर्दी के बीच परमेश्वर ने हमारे विश्वासियों और मिशनरियों की सुरक्षा की।

प्रार्थनाः क्रिसमस प्रोग्राम के द्वारा सुसमाचार सुने लोगों के लिए प्रार्थना करें कि वे ईसा मसीह में उद्धार करने वाला विश्वास प्राप्त हो। गिरिशन सिंह के मन फिराव के लिए प्रार्थना करें जो अपने परिवार को चर्च जाने से रोकता है। रजनी कौर, बरनीथ, गुरवेंधर सिंह, राहुल और परंजीत कौर के लिए प्रार्थना करें कि वे साहस के साथ ईसा मसीह में सबके सामने अपने विश्वास का अंगीकार करें। अस्थमा से परेशान बख्तारम, को सम्पूर्ण चंगाई मिले।

उत्तराखंड

मलधनचौरः

शिशु पाल एवं अनीता

स्तुतिः एक नए गाँव में सुसमाचार का प्रचार किया गया। जीवन के परिवार को एक पुत्र की आशीष मिली। कालिदास, धरमबाई और बनवारी लाल को एक कंपनी में नौकरी मिली। लकवा से पीड़ित काली चरन को चंगाई मिली।

प्रार्थनाः कलीसिया के प्राचीनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का अच्छा परिणाम मिले। राम नगर क्षेत्र में मिनिस्ट्री बढ़े। आस्था, सारदा और प्रताप सिंह को बुरी आत्मा के कब्जे से छुटकारा मिले। नेहा काजल और प्रीत कौर के सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें। अजय, गीता, सारदा एवं सूरज राजन को उद्धार मिले।

उद्धार यहोवा ही की ओर से होता है

उत्तराखंड के बाजपुर मिशन क्षेत्र के पन्नाखेड़ा गाँव की लक्ष्मी देवी ने यीशु मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता मान लिया और अपने विश्वास का अंगीकार किया। इससे गुस्सा होकर उनकी माँ ने उन्हें घर से निकाल दिया। उस दिन से उनकी माँ बीमार पड़ गई और कई इलाज के बाद भी वह ठीक नहीं हुई और उनकी हालत और खराब होती गई। आखिर में, जब हमारे मिशनरी परिवार को उनके लिए प्रार्थना करने के लिए बुलाया गया, तो परमेश्वर ने उन्हें पूरी तरह चंगाई दी। अब, उनके परिवार के सभी सदस्यों ने यीशु मसीह को मान लिया है और कलीसिया की आराधना सेवाओं में हिस्सा ले रहे हैं। हालेलुयाह!

4
फरवरी
बुधवार

उपवास प्रार्थना दिवस

जन्मदिन मुबारक

श्री जेबाकुमार पेरियासामी

बाजपुरः

क्रिश्चियन प्रकाश एवं कोकणी सुमित्राबेन

स्तुतिः जब मायादेवी और रामबोली घास काट रहे थे, तो उनकी आँख में इन्फेक्शन हो गया और मवाद बन गया और प्रार्थना से उन्हें चंगाई मिली। भगवान ने जुड़वां बच्चों रिति और नाथिक को निमोनिया के गंभीर मामले से चमत्कारिक रूप से चंगाई दी। रेशमा को परमेश्वर ने मानसिक बीमारी से चंगाई दी जिससे वह लंबे समय से पीड़ित थी। सुंदर लाल को कुत्ते के काटने से चंगाई मिली।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि विश्वासी मनु और शिवानी को योग्य जीवन साथी मिल सके। उन धार्मिक कट्टरपंथियों के मन फिराव के लिए प्रार्थना करें जो विश्वासियों को बन्नकड़ा कलीसिया की आराधना में शामिल होने से रोकते हैं। संतानहीन बंसो कौर ने अपने रिश्तेदार की बेटी जगदीप कौर को गोद लिया था जब वह बड़ी हुई और उन्हें सच्चाई का पता चला, तो वह इसे मान नहीं पाई और भटक गई, जिससे उनके गोद लिए हुए माता–पिता दुःखी हैं। प्रार्थना करें कि प्रभु उनके हृदय को शांति प्रदान करे।

हरियाणा

फतेहाबादः

डेविड एस एवं जेबा ग्रेस

स्तुतिः छह लोगों ने मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता माना और विश्वासियों के झुण्ड में शामिल हो गए। 5 स्थानों पर क्रिसमस कार्यक्रम शांतिपुर्वक संचालित की गई। करनजीत को खाँसी और गले के संक्रमण से चंगाई मिला। हमारे संपर्क में नए आए बिहार के पलायित सरस्वती जब गर्भधारण करके स्कैन कराने गईं, तो उन्हें शुरू में मना कर दिया गया क्योंकि वह अपना आधार कार्ड नहीं दिखा सकीं। विश्वासियों के दखल और प्रार्थना की वजह से, हॉस्पिटल ने स्कैन करने के लिए मान गया, जिससे उन्हें बहुत बड़ी राहत मिली।

प्रार्थनाः लकवा से परेशान संशार के पूरी तरह ठीक होने के लिए के लिए प्रार्थना करें। हिसरावन कलां, बतिया कॉलोनी, कासंबी और जामसोल गाँवों में चर्च बनाने के लिए उपयुक्त जमीन मिले। सरोज, बबीता और राजेंद्रन के परिवार के मसले हल हो जाएँ और उन्हें शांति मिले। जीतू और धीना को योग्य जीवनसाथी मिले। परमेश्वर पटलीदाबर, धारियापुर और डिंगमंडी में बहुत सी आत्माओं को लेकर आए। हमारी मिशनरी जेबा ग्रेस के सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें।

5
फरवरी
गुरुवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती अर्पुथम सेल्वी विजय
श्री देवनायगम सामुएल
श्रीमती अनुगामी एक्का जहर साई

पेहोवा: भोरसत बाबूभाई एवं जादव सरस्वती बहन

स्तुति: चलने में असमर्थ सात साल की एलिजा, को प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली। शकील और अभिषेक को अच्छी नौकरी मिली। क्रिसमस कार्यक्रम बिना किसी रुकावट के छह जगहों मनाई गई। कई लोग कार्यक्रम में शामिल हुए और यीशु मसीह के सुसमाचार को सुना।

प्रार्थना: सोनी, लासो और लक्ष्मी को बुरी आत्मा के प्रभाव से छुटकारा मिले। काजोल परिवार में शांति बनी रहे। कलीसिया का प्राचीन परमजीत, जिन्हें गेट गिरने से रीढ़ की हड्डी में चोट लगी थी, पूरी तरह ठीक हो जाए। प्रभु पंजाबी, कटरी और बनिया लोगों के गाँवों में सेवा के लिए द्वार खोले। धनिया, सुलधनिया और करका गाँवों के लोगों को प्रभु यीशु मसीह का स्पर्श मिले।

जीवन नगर: एलियाकिम जेना एवं दीपिका रेखा पानी

स्तुति: पुलिस विभाग की मदद से, मंडीदावली क्षेत्र में क्रिसमस कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। गमहार, बालमीकि, नायक, मजविसिक, बाजीगर, समर और ओड राजपूत समुदाय के बीच सुसमाचार प्रचार के लिए खुले द्वार मिलने के लिए प्रार्थना करें। समर समुदाय के जशा सिंह प्रार्थना के द्वारा मुंह के कैंसर से ठीक हो रहा है।

प्रार्थना: चर्च में नए आ रहे रबिंद्र के परिवार की परेशानियाँ दूर हों, और प्रभु परिवार में एकता लाए। शैतानी बन्धन से पीड़ित कंधा के छुटकारे के लिए प्रार्थना करें। विश्वासियों की आध्यात्मिक प्रशिक्षण के द्वारा प्रशिक्षुओं को लाभ मिले। हमारी मिशनरी दीपिका जेना, जिनका क्षय रोग का इलाज चल रहा है, पूरी तरह ठीक हो जाएं।

परमेश्वर के लिए सब कुछ संभव है

गुजरात मोसड़ा मिशन क्षेत्र में एक और धार्मिक ग्रुप ने पाँच दिन की कॉन्फ्रेंस ऑर्गनाइज की थी, और पंडाल (टेंट) लगाने का काम तेजी से चल रहा था। उस समय, हमारे कलीसिया के प्राचीन जो वहाँ से गुजर रहे थे, ने यह सुना और हृदय से प्रार्थना की कि परमेश्वर इस मीटिंग को होने से रोक दें। मीटिंग तय होने से एक दिन पहले, तेज बारिश के साथ तूफान आया, जिससे मीटिंग के लिए लगाए गए खंभों और बड़े टेंट को पूरी तरह नुकसान पहुँचा। इस वजह से, वे मीटिंग नहीं कर पाए और इसे कैंसिल कर दिया। परमेश्वर की महिमा हो!

6
फरवरी
शुक्रवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती पैट्रिशिया तमिल सेल्वी कुमार
श्री हमोम नबा सिंह

राजस्थान

खेरवाड़ाः

केनोज स्टेनली एवं इनबाराज

स्तुतिः अपने दोनों पैरों में खून के थक्के जमने की वजह से चलने में तकलीफ महसूस कर रहे प्रेम नामक एक छोटे लड़के ने प्रार्थना के द्वारा चंगाई प्राप्त की। कैलाश बाई, जो बुरे सपनों की वजह से रातों की नींद रहता था, प्रार्थना द्वारा शांति मिली। सुशीला को मिर्गी से, निशा बेन को ह्रदय की बीमारियों से और कैलाश बाई को एड्स की बीमारी से पूरी तरह चंगाई मिली। कालू बाई, जो अक्सर शैतानी हमलों की वजह से बीमार पड़ जाती थी चंगाई पाया और उसका सूखा बोरवेल पंप ठीक हो गया तथा उसमें से फिर से पानी निकलने लगा।

प्रार्थनाः मृत्यु शैय्या पर पड़ीं पार्वती बेन और चलने में असमर्थ मुन्ना बेन को परमेश्वर का अनुग्रह प्राप्त हो। वली बेन, जिसके गर्दन में फोड़ा है और लीला बेन, जिनकी आवाज एक शैतानी हमले के बाद चली गई थी, उन्हें छुटकारा मिले और चंगाई मिले। नवखेड़ा इलाके के विश्वासीगण जो लगातार हो रहे जुल्म की वजह से चर्च जाने से डर रहे हैं, उन्हें आत्मा से हिम्मत और साहस मिले। रीना बेन, निरमा बेन और हाजी बेन को परमेश्वर संतान सुख प्रदान करे। लक्ष्मण बाई और अनिल बाई को कर्ज के बोझ छुटकारा प्राप्त हो। पालिचा पूजा में जो लोग मुश्किलें पैदा करने के लिए जिम्मेदार हैं, उनके मन फिराव के लिए प्रार्थना करें।

विजयी राजा

हमारे मिशनरी जॉन एजुंग का परिवार, जो जम्मू और कश्मीर के रामनगर इलाके में सेवा करते है, दिसंबर में कई तरह की स्वस्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे थे। उन्होंने टप्पिनल गाँव में उन लोगों के लिए क्रिसमस कार्यक्रम संचालन करने की योजना बनाई थी जो मसीह को नहीं जानते थे, और वे हर गाँव में लोगों को बुलाने गए। 22 दिसंबर को, मिशनरी को अचानक फेशियल पैरालिसिस हो गया और वह बहुत कमजोर हो गया। यह महसूस करते हुए कि यह क्रिसमस कार्यक्रम को रोकने के लिए शैतान की चाल थी, हमारे मिशनरी ने ह्रदय से प्रार्थना की और योजना के मुताबिक क्रिसमस कार्यक्रम संचालित किया। जबकि उन्हें 30 लोगों के आने की उम्मीद थी, लगभग 100 लोग आए और मसीह के जन्म का सुसमाचार को उत्सुकता से सुना। परमेश्वर की स्तुति हो! अभी, हमारे मिशनरी का मेडिकल ट्रीटमेंट चल रहा है। आईए हम उनके पूरी तरह ठीक होने के लिए प्रार्थना करें।

7
फरवरी
शनिवार

जन्मदिन मुबारक

श्री दुरईसामी के. फ्रांसिस, श्री प्रशांत मीसाला
श्रीमती पद्मावती नारायण नायक
श्रीमती धनापुष्पम अरुलराज
श्रीमती हेलेन मरियम अरविंद

दिल्ली

पटपड़गंजः

जॉन डेविडसन एवं एस्तेर

स्तुतिः कल्याणपुरी इलाके में नए वर्ष की आराधना हुई जिसमें स्थानीय सलाहकार और 70 दूसरे लोग शामिल हुए, जिन्होंने पहली बार यीशु मसीह का सुसमाचार को सुना। रोहिणी इलाके के HIV से परेशान माता–पिता और बच्चों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जो परमेश्वर की कृपा से सुसमाचार सभा में शामिल हो पाए। पिछले साल मिले सभी आशीर्वाद और अच्छाई के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें। सभी विश्वासी एक दिन की उपवास और धन्यवाद प्रार्थना में शामिल हुए। इस ठंड के मौसम में हमारे मिशनरियों और विश्वासियको परमेश्वर ने सुरक्षा सुरक्षा प्रदान की।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि कल्याणपुरी इलाके में बच्चों का बाईबल क्लब की स्थापना की जा सके। सजवनगर इलाके में जो विश्वासी जुल्म का सामना कर रहे हैं, वे अपने विश्वास पर डटे रहें और निराश न हों। अपने यूट्रस में ट्यूमर से परेशान सुमन को चंगाई मिले। सनी विल्सन और मधियालगन को उद्धार का दान प्राप्त हो। अगामी बाल शिविर, युवा शिविर एवं महिलाओं की विशेष सभा को प्रभु के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक आयोजित किया जाए।

उत्तर प्रदेश

पुखरायाँः

शांता कुमार एवं जिंसी

स्तुतिः पुखरायाँ, देवीपुर, बरगवाँ, मनसा, बरौर, किरियानपुर और पिपरी कलीसियाओं में हुए क्रिसमस कार्यक्रमों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें। कार्यक्रम में कई विश्वासियों और सैकड़ों स्थानीय लोगों ने भाग लिया। पुलिस डिपार्टमेंट के मेंबर, गाँव के मुखिया, वकील और दूसरे अगुवों समेत कई मेहमानों को आमंत्रित किया गया था और उन्होंने कार्यक्रम में भाग लिया। पुखरायाँ स्थानीय प्रशासन के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जिसने क्रिसमस सेलिब्रेशन के इवेंट को आसान बनाने के लिए पुखरायाँ चर्च तक सड़क बनवाई। चर्चों में सभी क्रिसमस कार्यक्रम और आराधना परमेश्वर के अनुग्रह से बिना किसी बाधा के सफलतापुर्वक सम्पन्न हुई।

प्रार्थनाः देवीपुर गाँव का लापता सामुएल के लिए प्रार्थना करें जिनका कोई पता नहीं चल रहा है, उन्हें सुरक्षित उनके गाँव वापस लाया जाए। प्रार्थना करें कि हमारे मिशन क्षेत्र के सभी चर्चों में सर्विलांस कैमरे लगाए जाएँ। मिशन क्षेत्र का जीप, जिसकी अभी मरम्मत चल रही है, उसका मेंटेनेंस ठीक से हो और मिनिस्ट्री के कामों के लिए उसे इस्तेमाल किया जा सके। पुखरायाँ और किरयानपुर क्षेत्र में हमारे CDC में नामांकित बच्चों की आत्मिक एवं अकादमिक विकास के लिए प्रार्थना करें। कलीसिया के प्राचीनों का प्रशिक्षण कार्यक्रम स्थानीय प्रचारकों की प्रशिक्षण एवं युवाओं तथा महिला सभाओं के द्वारा अधिक सक अधिक आत्मिक लाभ प्राप्त हो। स्थानीय कलीसिया से जुड़ा एक प्रशिक्षण केन्द्र बनाया जाए और स्थानीय अधिकारियों से जरूरी अनुमति लेकर वित्त इकट्ठा किए जाएँ।

8
फरवरी
रविवार

जन्मदिन मुबारक

श्री सिबी सेल्विन साम
श्रीमती गवित सुनीताबेन शशियाभाई
श्रीमती रेखा चंपिया

सिकंदराः

वसावा पाचिया भाई एवं वसावा सविताबेन

स्तुतिः हमारे सम्पर्क में नई आयी ममता, जो हमारी आराधना में नियमित रूप से भाग लेती है, दिमागी बीमारी से चंगाई मिली। क्रिसमस प्रोग्राम दो जगहों पर बिना किसी रुकावट के संचालित किया गया। छह वर्षीय लड़का प्रेमदेव की सर्जरी सफलतापुर्वक हुआ। विश्वासियों ने अपने गाँवों में परमेश्वर के लिए गवाही देने वाली जीवन जीने का ध्यान रखते हैं।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि धर्म परिवर्तन विरोधी कानून का हमारे विश्वासियों के जीवन में कोई बुरा असर न पड़े। सत्वती, कुट्टी, ऊनम और पूजा के उद्धार के लिए प्रार्थना करें। कलीसिया के प्राचीनों और विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे जोश के साथ मिशन की गतिविधियों में हिस्सा लें। रागवेंद्र, हिमांशु, दीक्षा, शिवानी और स्नेहा को परमेश्वर का भय मानने वले योग्य जीवन साथी प्राप्त हों। व्यक्तिगत सुसामचार प्रचार के द्वारा बहुत से लोग हमारे प्रभु यीशु मसीह के प्रेम से छूए जाएँ।

मध्य प्रदेश

खालवा / खंडवाः

इसहाक आर. एवं सीता

स्तुतिः उन बहुत से लोगों के लिए जिन्हें 17 गाँवों में हुए अलग–अलग क्रिसमस कार्यक्रमों के द्वारा सुसमाचार सुनने का मौका मिला। दिलीप के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जो तीन साल से ज्यादा समय से क्षय रोग से परेशान था, मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता मानने के बाद चमत्कारिक रूप से चंगा हो गया। उन छह लोगों के लिए पमेश्वर की स्तंति करें जो अपने विश्वास के लिए जुल्म सहने के बावजूद मसीह यीशु में सुरक्षित हैं। परमिला को कई लोगों की प्रार्थनाओं के द्वारा गुर्दे की पत्थरी और बच्चेदानी की सूजन से चंगाई मिली।

प्रार्थनाः उन लोगों के मन फिराव के लिए प्रार्थना करें जो पिछले तीन महीनों से सुसमाचार का विरोध कर रहे हैं और मिनिस्ट्री और मिशन कार्यकर्ताओं को रोक रहे हैं। मिसरिमाजी की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो कई बीमारियों से परेशान हैं। सुगंती के लिए प्रार्थना करें जो तीन वर्षों से सुतान प्राप्ति का प्रार्थना के साथ इंतजार कर रही हैं परमेश्वर उन्हें संतान सुख प्रदान करे। रामचंद, गुलाब, मंगल और सोमा को शराब की लत से छुटकारा मिले। हमारे विश्वासी अमरसिंह के परिवार पर परमेश्वर का अनुग्रह हो, जो खराब फसल और अपने जानवरों की बढ़ोतरी न होने से परेशान हैं, ताकि उन्हें सफलता मिले।

9 फरवरी
सोमवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती जेसिन्थ जोआना राममुनि प्रसाद
श्रीमती दीना कुमारी बेबर्ता आशाप्राप्ता
श्रीमती दुर्गा देवी@रूथ मैरी शंकर ए.

गुना: सतीश टी. एवं शर्मिला ए.

स्तुति: जब मिशन कार्यकर्ताओं ने इकट्ठा होकर चलने में समर्थ तुकराम बरेला के लिए प्रार्थन की तो परमेश्वर ने उसे पूरी तरह से चंगाई प्रदान की। कृष्णा बरेला की आँखों की रोशनी प्रार्थना के द्वारा फिर से वापस आ गई। एक नया गाँव लुकरपुरा में सुसमाचार का प्रचार किया गया। स्वयं सेवक के रूप में हमारी सेवकाई में शामिल अमचिया बरेला और मोक्कम सिंह के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जिन्हें परमेश्वर सामर्थ के साथ इस्तेमाल कर रहा है। केपी बरेला के लिए प्रभु की स्तुति करें जो विश्वासियों के आध्यात्मिक रिट्रीट में शामिल हुई। नितेश बरेला को माइग्रेन से जुड़े सिरदर्द चंगाई मिली।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि हमारे नए विश्वासीगण अपने विश्वास में गहराई जड़ पकड़ें। गाँव के उन तांत्रिकों के मन फिराव और उद्धार के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने विश्वासियों को धमकाया है। जोक बरेला, जो शराब की लत में फंसा रहता है और अपने परिवार को नजरअंदाज करता है, वह परमेश्वर की ओर फिरे। सप्पाथ बाई, जो लकवा की वजह से चल नहीं सकती, चंगाई मिले। जो लोग सुसमाचार और कट्ठी गाँव के विश्वासियों का विरोध करते हैं, उन्हें दोषी ठहराया जाए और वे हमारे परमेश्वर के प्रेम का अनुभव करें। जो लोग सुसमाचार का विरोध करते हैं, जो इस क्षेत्र में चर्चों को खत्म करना चाहते हैं, उनकी साजिशें कमजोर पड़ जाएँ। सोनी बाई और शांति बाई को संतान सुख प्राप्त हो। सलाया गाँव में एक नई आराधना सेवा शुरू करने की कोशिशों को आशीर्वाद मिले और वे सफल हों।

धार: संतु मरांडी एवं राखी मार्डी

स्तुति: हमारी नई विश्वासी रामश्री बाई की सच्ची कोशिशों की वजह से, 23 नए लोग आराधना में शामिल हो रहे हैं। अमलजीमा और नयापुरा में जीज़स फिल्म दिखाई गई, जो प्रभावशाली रही। पाँच जगहों पर रात्रि प्रार्थना सभाएँ बिना किसी रुकावट के संचालित की गईं। सभी विश्वासियों ने अपने परिवारों के साथ नए साल की प्रार्थना में भाग लिया।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि हमारे विश्वासीगण हियाव के साथ सुसमाचार का प्रचार करें। कैलाश और जमनिया के परिवार मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार करें। अपने लिवर कैंसर के कारण प्रत्येक महिना 18,000 रूपए खर्च कर रहीं काजी की पूरी चंगाई के लिए प्रार्थना करें। भगीरथ और प्रेमानंद को शराब की लत से छुटकारा मिले। जीज़स फिल्म, रात्रि प्रार्थना सभा, खोजियों का शिविर और आउटरीच मिनिस्ट्री को देख रहे कई लोग मसीह यीशु के प्रेम से छूए जाएँ।

10
फरवरी
मंगलवार

जन्मदिन मुबारक

श्री सोलोमन ए.

असम

गोगामुख/घखुवाखाना:

डेनसिंह आर. एवं जस्मीन कविता

स्तुति: नई विश्वासी निरोजा को मिले आशीर्वाद के लिए प्रभु को धन्यवाद दें जिसे उपवास की प्रार्थना में शामिल होने और हृदय से प्रार्थना करने के बाद अपेंडिसाइटिस से चंगाई पायी और एक अच्छी नौकरी मिली। कियानज्योति प्रार्थनाओं के द्वारा किडनी की बीमारी और पैरों की सूजन से चंगाई मिली। हमारे विश्वासियों की बेटी, बोरदामल्ली को चेन्नई के एक लॉ कॉलेज में पूरी स्कॉलरशिप के साथ सीट हासिल की। क्रिसमस के मौसम में हमारे मिशन कार्यकर्ताओं और विश्वासियों पर प्रभु की सुरक्षा के लिए, भले ही कुछ लोग जो सुसमाचार का विरोध करते हैं, हमारी मिनिस्ट्री और कार्यक्रमों में रुकावट डालने की कोशिश कर रहे थे।

प्रार्थना: राहुल पेगु और बेबी मिली को पेट के तेज दर्द और डर से छुटकारा मिले। लंगेश्वरी और जया दैथ को मिर्गी और पेट की बीमारियों से आराम मिले। नाइकली सुकरंग को संतान सुख मिले। निर्मला डोले और अनीता पेगु के सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें। मुक्ता डोला को बुरी आत्मा के कब्जे से पूरी तरह छुटकारा मिले। जामजिंग, न्यू टेका, टेकाबम, सिमोंसाबारी, पाईकुंधुर और लक्कीपुथर गाँवों में परमेश्वर सुसमाचार के लिए द्वार खोले। प्रार्थना करें कि गोहपुर के मिशन क्षेत्र में चल रहा विरोध खत्म हो और इलाके में शांति और आध्यात्मिक तरक्की हो।

मजुली:

एलिया चंद्रन एवं एमी आनंदी

स्तुति: पुष्पा मिली ने यीशु मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया। दो गाँवों में क्रिसमस कार्यक्रम आयोजित की गई और 70 से ज्यादा लोगों ने इसमें हिस्सा लिया और सुसमाचार को सुना। विश्वासियों ने कड़ी सर्दियों के बीच कैरोल गाने के साथ–साथ क्रिसमस और नए साल की सर्विस में भी हिस्सा लिया। प्रार्थना करें कि हमारे विश्वासियों और मिशन कार्यकर्ताओं पर प्रभु की सुरक्षा हो।

प्रार्थना: पिछले पाँच वर्षों से संतान की आशीष का आशीष पाने की पूरी कोशिश कर रही अनिता मिली पर प्रभु की दया हो और उसे संतान सुख प्राप्त हो। सांजी गुली का परिवार हिम्मत से अपने समुदाय में सबके सामने अपने मसीही विश्वास का अंगीकार करें। ओंगल मिली की पत्नी के उद्धार के लिए प्रार्थना करें। हमारे विश्वासियों के बच्चे, जो 10 वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा दे रहे हैं, अच्छी तैयारी करें और सफल हों।

11
फरवरी
बुधवार

उपवास प्रार्थना दिवस

जन्मदिन मुबारक

श्री बिनय कुमार गुरु
सुश्री इबालाले पामे

सिलापाथरः

गोंड देवू विश्राम एवं राधे नयनाबेन देवजीभाई

स्तुतिः अर्चिबाथर और लानाबोर्गुरी गाँवों में आध्यात्मिक साहित्यों को बाँटने में उनकी मदद के लिए।परमेश्वर ने हमारी मदद की। सिथलमारी गाँव में लगे खोजियों का शिविर में बीस लोगों ने उत्साह से हिस्सा लिया।

प्रार्थनाः सिथलमारी गाँव में चर्च का कंस्ट्रक्शन बिना किसी रुकावट के पूरा हो। विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे अपने विश्वास में मजबूत हों और मसीह के गवाह के रूप में अपना जीवन जीएँ। हमारे सम्पर्क में नया आए मोनू पेगु, पिड़ेश्वर, कृष्णा गांडो, राजेंद्र कुटुम और बाबा डोले के लिए प्रार्थना करें कि वे पूरे हृदय से मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार करें। हमारे मिशनरी की माँ को पीलिया से पूरी तरह चंगाई मिले।

बिहार

मुरलीगंजः जीवननंदन एवं जोसेफिन शीबा

स्तुतिः हमारे नए विश्वासी बिपिन कई लोगों के साथ सुसमाचार का प्रचार और उनके लिए प्रार्थना करता है। प्रवीण सदा एक स्वयं सेवक के रूप में सेवा करने में दिलचस्पी दिखा रो है। बिस्को और रविंद्र को बुरी आत्मा के कब्जे से मिली मुक्ति मिली। लीला देवी, जिन्हें डॉक्टरों के कहने पर ट्यूमर की वजह से नजर जाने का डर था, प्रार्थना से उनकी आँखों की सुरक्षा हुई। परमेश्वर की अनुग्रह से बिना किसी रुकावट के सभी गाँवों में सुसामचार का प्रचार किया गया।

प्रार्थनाः अशोक कुमार के न्याय के लिए प्रार्थना करें जिन्हें पिछले तीन महीनों से सैलरी नहीं मिली है। अरुण, ललित, इंद्राजीत, जितेंद्र, सोहन और उनके परिवार, जो अपने विश्वास से भटक गए हैं, परमेश्वर की ओर फिरें। मधिलेश कुमार को अच्छी नौकरी मिले। काजल कुमारी के पति को शराब की लत से छुटकारा मिले। परमेश्वर उनके परिवार को संतान सुख प्रदान करे।

रक्षा करने वाला परमेश्वर न ऊंघता न सोता है

हमारी नई विश्वासी, श्रीमती सुरेश बैन, गुजरात काउंट मिशन क्षेत्र के चिक्कल गाँव है। जब ऑटो–रिक्शा में ड्राइवर और चार और लोगों ने उन पर यौवन हरकतें करने की कोशिश की, तो वे वहाँ से गुजर रही थीं। परन्तु सुरेश बैन ने हिम्मत से चिल्लाते हुए कहा, "जीवित परमेश्वर मेरे साथ है" मेरा प्रभु मुझे बचाएगा!" तुरंत ही उन सब के दिलों में डर बैठ गया और वे सब भाग गए। श्रीमती सुरेश ने अपनी गवाही शेयर की, परमेश्वर की बड़ाई करते हुए कहा कि प्रभु यीशु ने स्वयं उन्हें बचाया। हालेलुयाह!

12 फरवरी गुरुवार

जन्मदिन मुबारक

श्री रंजय नरजरी

झारखण्ड

पत्थरगामाः

कृष्ण कुमार एवं शांति लाल

स्तुतिः परमेश्वर ने हमारी विश्वासी किरण देवी और उनके बच्चों को उनके पालने के नीचे लेटे जहरीले साँप सुरक्षा प्रदान की। कटपथरिया गाँव में हुई तीन दिन की उपवास प्रार्थना में हिस्सा लेने वाले और प्रभु में मजबूत होने वाले कई विश्वासियों के लिए प्रभु को धन्यवाद दें। सौ से ज्यादा गाँव वालों को क्रिसमस प्रोग्राम में शामिल होने और यीशु मसीह के जन्म का सुसमाचार सुनने का मौका मिला। लगभग 21 नए लोगों ने चर्च की आराधना में शामिल होना शुरू कर दिया है।

प्रार्थनाः अशोक रविदास को लगातार हो रहे खाँसी से चंगाई मिले। छह वर्षीय बच्चे की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। मनीष को किडनी की बीमारी से, डब्लू मैकडोश को छाती दर्द से, मीना देवी को किडनी की पत्थरी से और पार्वती देवी, रेवती देवी और कुमुन्तिरा देवी को घुटने के दर्द से चंगाई मिले। पेट के सूजन से परेशान पवनदास को चंगाई मिले। हमारे सम्पर्क में नया आए प्रदीप के परिवार को संतान सुख प्राप्त हो। जो लोग सिकारा और सिंगड़ी गाँवों में सुसमाचार के काम में रुकावट डालते हैं, उनके मन फिराव के लिए प्रार्थना करें और उन्हें परमेश्वर के प्रेम का अनुभव हो।

तीनपहाड़ः

नहेमियाह एवं अनामिका पेगु

स्तुतिः परमेश्वर ने हमारे मिशनरी का पुत्र इसाम्बूबे को मिर्गी से चंगाई दी। हमारे विश्वासी डिथेरिया गूजर को एक ऑटो दुर्घटना से और हमारे मिशनरी को एक दो पहिया वाहन दुर्घटना से बचाया। हमारे विश्वासी अनिल मुंडा और उनके रिश्तेदारों के खिलाफ दायर झूठे जमीन के केस को प्रार्थना के परिणामस्वरूप वापस लिया गया और समस्या का समाधान हुआ। क्रिसमस कार्यक्रम के द्वारा कई लोगों के साथ सुसामचार को साझा करने का बड़ा मौका मिला।

प्रार्थनाः रामदेव मुंडा, जो अपनी मोटरसाइकिल खोने की वजह से बहुत निराश हैं, परमेश्वर उसे शांति प्रन करे और किसी तरह चोरी हुई गाड़ी वापस मिले। हरिबाल खलखो के परिवार के मसले सुलझ जाएं और उनके घर में शांति स्थापित हो। रिया मिंज को पेट दर्द से और निकुलशा को पीठ दर्द से चंगाई मिले। नए साल में हमारे मिशन के कार्यकर्ताओं की कोशिशों का भरपूर फल प्राप्त हो।

13
फरवरी
शुक्रवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती स्टेला प्रभुदास
श्री संजीव कुमार अंड्राप
श्रीमती कम्पुंग ताबा युवाओ, श्रीमती वायलेट हंसदा
श्रीमती गुरप्रीत कौर कुलदीप सिंह

मालतो युवा सेवकाई:
गॉडविन किरुबकरन एवं प्रभा कमाली

स्तुति: इस इलाके में हुई युवा सभा में 113 युवाओं को उद्धार की आशा प्राप्त हुई। चौबीस लोगों ने अपने अपने जीवन को पूर्णकालिक सेवकाई के समर्पित किया। 500 से ज्यादा युवाओं ने बाईबल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। हमारे मिशनरी गॉडविन, जिन्हें पिछले जून 2025 में हाथ में कई फ्रैक्चर के साथ गंभीर चोट लगी थी, परमेश्वर की कृपा से अब ठीक हो गए हैं और अब उसी हाथ से म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट बजा रहे हैं, डिजाइन बना रहे हैं और कंप्यूटर पर काम भी कर रहे हैं।

प्रार्थना: मिशन टीम की प्रयासों के लिए प्रार्थना करें कि वे खास तौर पर शॉर्ट फिल्मों, स्पिरिचुअल ट्रैक्ट और मीडिया के जरिए युवाओं तक पहुँचें और उन्हें मसीह तक ले जाने में कामयाब हों। शॉर्ट फिल्म वीडियोग्राफी, पहले कम्यूनियन के लिए सामान तैयार करना, यूथ प्रेयर सेल्स के लिए बाईबल स्टडी सामग्री और गीत पुस्तकों की रीप्रिंटिंग का चल रहा काम शीघ्र पूरा होने पाए।

गंगूपाड़ा मिराकल गर्ल्स हॉस्टल:
एवलिन पाकिया; सावित्री डी.

स्तुति: हमारी छात्रा मरियम रणजी को सरकारी कॉलेज में बैचलर ऑफ आर्ट्स की डिग्री के लिए सीट मिल गई है। परमेश्वर की अनुग्रह से हम उन गाँवों में जा सके जहाँ हमारे बाल भवन के बच्चे रहते हैं और क्रिसमस आराधना कर सके। हमारे बाल भवन के बच्चों के रहने के लिए एक नई बिल्डिंग बन गई है। परमेश्वर का वचन हमारे बच्चों का जीवन को बदल रहा है।

प्रार्थना: क्षय रोग और मिर्गी से परेशान हमारे बाल भवन के बच्चों की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। 39 छात्राएँ जो अपनी 10वीं और 12वीं कक्षा की सार्वजनिक परिक्षा की तैयारी कर रहे हैं, वे अपने परिक्षा सफलतापुर्वक लिख सकें। प्रार्थना करें कि हमारे बाल भवन के नौ बच्चों पर परमेश्वर का अनुग्रह हो जो नर्सिंग कोर्स कर रहे हैं। हमारे बाल भवन के लिए एक नई गाड़ी की आवश्यक्ता है क्योंकि अभी वाली गाड़ी पुरानी हो गई है और अक्सर खराब होती रहती है। हमारे बालभवन के लिए एक बैकअप पावर जनरेटर खरीदा जा सके।

14 फरवरी
शनिवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती लाल नून गावी ह्मार किपजेन

कैराबनी बाल भवनः
मनोज कुमार पानी एवं संतानी बर्धन

स्तुतिः हमारे घर के तीन बच्चों को डिस्ट्रिक्ट में बेस्ट स्टूडेंट अवॉर्ड का सम्मान मिला है। इस ठंड के मौसम में परमेश्वर ने हमारे बच्चों की रक्षा की। मुश्किलों का सामना कर रहे युवाओं के लिए एक काउंसलिंग सेशन रखा गया। जोआना हंसदा को चर्म संक्रमण से, जोसेल मोकली और अनादि बास्की और तुलसी सोरेन की पत्नी को प्रार्थना से खसरा से चंगाई मिली।

प्रार्थनाः बालभवन के लिए एक अच्छा रसोईया मिलने के लिए प्रार्थना करें। जिन बच्चों को चकत्ते हैं, उन सबकी चंगाई के लिए प्रार्थना करें। सुलेंद्र हेम्ब्रोम, जो टेस्टिकल में सूजन से, प्रेम बास्की की सास को पीलिया से और मिशनरी मनोज के पिता को लकवा की बीमारी से चंगाई मिले। प्रार्थना करें कि बाल भवन के कार्यकर्ता सर्पण के साथ सेवा करें। परामर्श सत्र, बाल शिविर, बाइबल स्टडी ग्रुप और प्रार्थना दल नियमि रूप से चलते रहने के लिए प्रार्थना करें और सभी बच्चे इन ग्रुप्स में खुशी के साथ हिस्सा लें।

पाकुड़ियाः
सेंथिल कुमार एवं मुथु सेल्वी

स्तुतिः 17 लोगों ने सबके सामने यीशु मसीह में अपने निजी उद्धारकर्ता के रूप में अपना विश्वास का अंगीकार किया। क्षय रोग के कारण कई दिनों से बिस्तर पर पड़े कनु सोरेन को के द्वारा चंगाई मिली। आठ कलीसियाओं के विश्वासीगण नए वर्ष की आराधना के लिए इकट्ठा हुए और आराधना और समर्पण के द्वारा परमेश्वर की महिमा की।

प्रार्थनाः संतोष, केंधपरिया, डोम्बोल और रामपुर चर्च के विश्वासियों के आध्यात्मिक विकास के लिए प्रार्थना करें। जीवन को लकवा से, सोनी को मानसिक बीमारी से, बिनय सोरेन को जलने की चोट से और सुशीला को रक्तस्राव से चंगाई मिलने के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि प्रभु मिशन के क्षेत्र के लिए समर्पित स्वयं सेवकों को तैयार करे। हमारे स्थानीय प्रचारक डेविड हेम्ब्रोम, जिन्हें हाल ही में इस मिशन के क्षेत्र में पोस्ट किया गया है, उन्हें एक मकान घर मिल सके।

15 फरवरी रविवार

जन्मदिन मुबारक

श्री डैनिएल थॉमस
श्रीमती मर्सी दबौरा सेंथिल
श्री बसावे एलेश प्रभु, श्री अय्यनार एम.
श्रीमती सोनी मालती बबलू

रानेश्वरः
बालाजी जी. एवं जैंसी जी.

स्तुतिः सोरगट्टा गाँव में 5 लोगों ने मसीह को अपनाया है। पूजा, जोबू और पुलिया सोरेन ने सुसमाचार में दिलचस्पी दिखाई। जीज़स फिल्म की बिना किसी रुकावट के स्क्रीनिंग और रात में हुई मीटिंग्स के लिए प्रभु को धन्यवाद दें। बच्चे उत्सुकता से बाईबल के वचन को कंठस्थ करते हैं।

प्रार्थनाः सुसमाचार में रूचि ले रहे बेलपुनी गाँव के लोगों के लिए प्रार्थना करें कि वे मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करें। दोरबार, मकेशगोला, कुरुबाड़ी, गुरु गुंडू और लापुर गाँवों में सुसमाचार प्रचार करने में आ रही रूकावटें दूर होने के लिए प्रार्थना करें। डिमजोरी गाँव में नई शुरू हुई आराधना केन्द्र में अधिक से अधिक लोग भाग लें। कई लघु प्रार्थना दल बिना किसी रुकावट के काम करता रहे। सम्राट को दिमागी बीमारी से चंगाई मिले।

पश्चिम बंगाल

पाकुआहाटः डिहे एवं चराणी

स्तुतिः कई लोगों ने दस नए गाँवों में आयोजित रात्रि सभा में हिस्सा लिया और उत्साह पुर्वक सुसमाचार को सुना। दो गाँवों में जीज़स फिल्म दिखाने का मौका मिला। तीन परिवारों के लोग सुसमाचार में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। दो व्यक्तियों ने यीशु मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया और विश्वासियों के झुण्ड में शामिल हुए।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि सुरेश मुर्मू, थालू सोरेन, जोसेन किस्कू, ओमोल हेम्ब्रोम और गोविंद मार्डी के परिवारों को ईसा मसीह में अपने विश्वास को सबके सामने अंगीकार करने का साहस मिले। सेलधानी गाँव में शीघ्र ही एक नया चर्च बने और इसके लिए एक सही जगह मिले। नीमडांगा गाँव में चर्च निर्माण की कोशिशों पर प्रभु का अनुग्रह हो। सोबिलाल टुडू को मानसिक बीमारी से चंगाई मिले।

लंगड़े चलते हैं

पश्चिम बंगाल के तपन मिशन क्षेत्र के कदमबरी गाँव का कंदना टुडू दो वर्षों से लकवा के कारण बिस्तर पर पड़ा था। इलाज पर बहुत पैसा खर्च करने के बाद भी, वह ठीक नहीं हुआ, और उसकी पत्नी उसे छोड़कर चली गई। इस हालत में, हमारे कलीसिया का प्राचीन सोनाली टुडू ने उन्हें सुसमाचार सुनाया और उसके लिए प्रार्थना की। लगातार प्रार्थना करने के द्वारा परमेश्वर ने उन्हें चंगाई दी और अब वह चलने लगा है। इस चमत्कार से, उनके परिवार के सदस्यों ने परमेश्वर को मान लिया है और उस पर अपने विश्वास का अंगीकार किया। परमेश्वर की महिमा हो! आमीन

16 फरवरी
सोमवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती पोन लता जेबाकुमार
श्री सतीश कुमार सी.

तपनः

हारामोहन प्रभुदास एवं कुमारी सुषमा

स्तुतिः रक्की मुर्मू और ललिता, जो नर्वस सिस्टम की बीमारी से परेशान थीं और पुनमुनी, जो दिमाग की बीमारी से परेशान थीं, उन्हें चंगाई मिली। सोजॉय को दुष्टात्मा के बंधन से मुक्ति मिली। खून की कमी के कारण गंभीर दिक्कतों का सामना कर रही सोनामुई सोरेन को कलीसिया की प्रार्थनाओं के द्वारा चंगाई मिली और उसने सुरक्षित एक बच्चे को जन्म दिया।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि कलीसिया के युवा गाँव की सेवकाई में खुशी के साथ हिस्सा लें। नेहम्बा, बॉसपाड़ा, दौसी, पोनाहर और टिक्कुल इलाकों में कलीसिया भवन का निर्माण के लिए सही जमीन मिल सके। लक्कुन टुडू को दुष्टात्मा के बन्धन से छुटकारा मिले। थानी मार्डी को निम्न रक्तचाप से चंगाई मिले हमारी मिशनरी सुसम्मा सर्जरी के दौरान ली गई दवाओं के साइड इफेक्ट से पूरी तरह ठीक हो जाए।

इटाहारः

सोलोमन ए. एवं सुगंती

स्तुतिः छह गाँवों में जीजस फिल्म दिखाई गई और कई लोगों ने इस शो के जरिए सुसमाचार को सुना। सुंधामुनी हंसदक, राफेल और थाला मुर्मू, जो काम के लिए बाहर गए थे, सुरक्षित घर लौट आए हैं। विश्वासियों ने फसल के त्योहार में खुशी के साथ हिस्सा लिया। परमेश्वर की अनुग्रह से 19 नए गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया गया।

प्रार्थनाः जोजो गुटु और केसरदीगी गाँवों में सुसमाचार प्रचार के लिए द्वार खुले। बिजिडांगा, दलेफिर और हस्तिबारी गाँवों के लोग, जो गैर–कानूनी शराब बनाते हैं, इस बुरी आदत को छोड़कर सुसमाचार पर ध्यान दें। जनुम गुटु एवं साम्बा हसदा को शैतानी बन्धन से, पोकरी कुडु एवं पुथु टुडू जो जंजीरों से बधे रहते हैं उन्हें छुटकारा मिले।

हम उसके घावों से चंगे हुए

गुजरात के मोसड़ा मिशन क्षेत्र के मोरजीडी गाँव के जटिया भाई के पिता एक बहुत मशहूर एवं शक्तिशाली जादूगर थे। उनकी मौत के बाद, उनके परिवार के 20 से ज्यादा सदस्य, बड़े से लेकर छोटे तक, बीमार पड़ गए। जब वे हैरान थे और उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि क्या करें, तो जटिया भाई ने सपने में हमारा चर्च देखा। इसलिए वे चर्च आए, और उनके लिए प्रार्थना की गई। परमेश्वर के छूने से, वे सभी एक–एक करके ठीक हो गए। परिणामस्वरूप परिवार के सभी सदस्यों ने यीशु मसीह को अपना उद्धारकर्ता मान लिया और अपने विश्वास का अंगीकार किया। इस उद्भुत कार्य के द्वारा परमेश्वर ने अपनी अनुग्रह से यहाँ पर एक आराधना दल की शुरूआत करने में हमारी सहायता की। हलेलुय्याह!

17
फरवरी
मंगलवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती रुहामा गुरु
श्रीमती वंगालपुड़ी चांदनी केनोज

छत्तीसगढ़

तपकारा / लुड़ेग बाल भवनः

अरुण कुमार जी. एवं सारथी ए.

स्तुतिः 10 गाँवों में कअनी का पर्व बड़ी खुशी के साथ मनाया गया। परमेश्वर ने हमारे विश्वासियों को हादसों और विरोधों से बचाया। केर्जी गाँव के दो लोगों ने यीशु मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता मान लिया है। केर्जी कलीसिया की मरम्मत और प्रबन्धन का खर्च पूरा करने के लिए परमेश्वर का धन्यवाद हो।

प्रार्थनाः शराब नशीले पदार्थों की लत में फंसे लोगों के लिए प्रार्थना करें कि पमेश्वर उन्हें छुटकारा प्रदान करे। दुष्टात्मा के कब्जे में फंसी शशि और पीठिमा के छफटकारे के लिए प्रार्थना करें। उनके परिवार की समस्याएँ दूर हों और उन्हें शांति और आराम मिल सके। छत्तीसगढ़ में धार्मिक उत्पीड़न के बढ़ते मामलों के बीच, जिसमें मिशनरियों पर हमले, अपने मूल धर्म में लौटने के लिए दबाव डालना और चर्चों को नष्ट करना शामिल है, प्रार्थना करें कि ऐसी परिस्थिति में विश्वासीगण आने विश्वास में दृढ़ और अटल रहें।

सीतापुरः

मुथु कुमार एवं नेत्रावती

स्तुतिः आठ गाँवों में सुसमाचार प्रचार करने के लिए परमेश्वर ने द्वार खोला। असकारा, बारबहाला और हरदीसंध कलीसिया में कई नए लोग शामिल हुए और आठ लोगों ने यीशु मसीह को ग्रहण किया और उपने विश्वास का अंगीकार किया। नरबहाला, थड्डुगा और कलजीव गाँवों में महिलाओं की सभा सफलतापूर्वक संचालित की गई। क्रिसमस के दौरान परमेश्वर ने हम सबों को सुरक्षित रखा।

प्रार्थनाः प्रार्थना कें कि लक्ष्मण मिंज और देव प्रसाद का परिवार बिना किसी समझौते के आराधना में शामिल हों। कैंसर से पीड़ित हीराला एक्का को चंगाई मिले। एक दुर्घटना में पैर में फ्रैक्चर से गिरधर को और खसरे से तीन साल के डेविड को चंगाई मिलने के लिए प्रार्थना करें। अनिल और उसके परिवार को संतान सुख मिलने के लिए प्रार्थना करें। कोरवा, माझारी, नागवंशी और ऊराँव के लोगों के बीच परमेश्वर की सेवकाई का शुरूआत हो सके ताकि वे सुसमाचार को स्वीकार करें और उस पर विश्वास करें।

18 फरवरी
बुधवार

उपवास प्रार्थना दिवस

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती तेजस्विता बेबोर्ता
श्री सुकिनलाल सी.

ओड़िशा

रायरंगपुरः

अरविंद कुमार एवं हेलेन मरियम

स्तुतिः डोंगापाबी, कुचौबल, बसंतपुर और बिरसासुक में हुए सभी क्रिसमस प्रोग्राम के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जो परमेश्वर की कृपा से बिना किसी रुकावट के सफलतापुर्वक संचालित किए गए। हो जन समूह के विश्वासीगण अपने विश्वास में बढ़ रहे हैं और अपने रिश्तेदारों के साथ बड़े उत्साह के साथ सुसमाचर बाँट रहे हैं। माचो नायक, जो कई सालों से सीने में दर्द से परेशान थे, परमेश्वर ने उन्हें पूरी तरह से चंगाई दी। पालो हेम्ब्रोम, जो एक बुरी आत्मा के बन्धन में थी प्रार्थनाओं के द्वारा छुटकारा मिली। प्रार्थना करें कि बसंतपुर गाँव का एक परिवार के लोग यीशु मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार करें।

प्रार्थनाः सोइबुनी को उनकी उच्च मधुमेह की बीमारी सं चंगाई दे और बल बल प्रदान करे। हमारे स्थानीय प्रचारक जयराम पूर्ति की पत्नी रायमुनी को सुरक्षित प्रसव का लाभ मिल सके। प्रार्थना करें कि परमेश्वर हमारे विश्वासियों एवं मिशन के कार्यकर्ताओं को तेज कोहरे की वजह से होने वाले किसी भी वाहन दुर्घटनाओं से सुरक्षा प्रदान करे। कोट्टांग सरदार को किडनी की बीमारी से, देसो पूर्ती को लकवा से, दुक्कू टुडू को मिर्गी से, बंडू पूर्ती को खसरे से और नंदिया नायक को लिवर की बीमारी से सम्पूर्ण चंगाई मिले।

जशीपुरः

प्रत्यूष नायक एवं मैरिथाई लियोना

स्तुतिः जब चर्च के एल्डर ने पैधारा साकी को चर्च आने और एक ट्यूमर के लिए प्रार्थना करने के लिए कहा, जिसकी सर्जरी होनी थी, तो पैधारा ने रिक्वेस्ट मान ली और प्रार्थना की और परमेश्वर ने चमत्कारिक रूप से ट्यूमर को ठीक कर दिया। तेज पेट दर्द से परेशान लांबा हो के पति ने उनके लिए हृदय से प्रार्थन की और परमेश्वर ने उसे चंगाई दी।

प्रार्थनाः आलिया सुकराई और मुनिगैबे को चार महीने से हो रही पेट दर्द से, सामू पूर्ती को दो महीने हो रहे सीने के दर्द से और नुनिसारका को पैर की बीमारी से ठीक होने के लिए प्रार्थना करें। गुना सोई को बुरी आत्मा के बन्धन से छुटकारा मिले। लाम्बारा और कासिराम के सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि प्रभु अपने राज्य में स्थानीय प्रचारक और स्वयं सेवकों को बहुतायत से इस्तेमाल करे।

19 फरवरी
गुरुवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती अंबुमलर बालमुरुगन

गुजरात

आहवा / पीपलवाड़ा:

विग्नेश्वरन एन. एवं एंजेलिन एम.

स्तुति: जब हम मिलान में होने वाले क्रिसमस प्रोग्राम को करने की परमिशन लेने गए पीपलवाड़ा कलीसिया के सुसमाचार का विरोध करने वाले एक दल ने परमिशन के खिलाफ चिल्लाया; परन्तु जब विश्वासियों ने प्रार्थना की तो प्रोग्राम के लिए परमिशन मिल गई अैर आखिरकार बिना किसी परेशानी के हो गया। परमेश्वर ने दिलीप भाई को वहन दुर्घटना से बचाया। प्रभु ने मिनिस्ट्री के बाद घर लौटते समय हमारे मिशनरी और स्थानीय प्रचारक के परिवार को एक तेंदुए रक्षा किया।

प्रार्थना: कलम्बा गाँव के उन लोगों के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें जो मसीही विश्वासियों के खिलाफ हैं। संधूबाई को लकवा और विजय को सीने के दर्द से चंगाई मिले। परमेश्वर उन गाँव वालों की रक्षा करे जो एक छोटे चरवाहे लड़के के तेंदुए द्वारा मारे जाने की वजह से भय में जी रहे हैं।

कावंत:

अखिलेश कुमार एवं किरणदेवी

स्तुति: दो किलोमीटर दूर से पानी लाने से थककर, हमारे विश्वासियों ने बहुत प्रार्थना की, एक ट्यूबवेल खोदा और परमेश्वर की कृपा से चमत्कारिक रूप से पानी का एक श्रोत मिला, जबकि पड़ोस के दूसरे ट्यूबवेल सूखे रहे। स्थानीय गाँव के मुखिया और नेता चर्च को बंद करना चाहते थे परन्तु परमेश्वर की आत्मा ने उसे बंद होने से बचाया।

प्रार्थना: मथावत गाँव में सुसमाचार और ईसाई धर्म का विरोध करने और विश्वासियों को सताने वालों को पछतावा होके मन फिराव के लिए प्रार्थना करें। प्रभु हमारे कलीसिया के प्राचीन और स्थानीय प्रचारकें को हिम्मत और समझ दें, जिन्हें मथावत गाँव में कलीसिया का विरोध करने वाले कुछ धार्मिक कट्टरपंथियों के उकसाने पर अक्सर पुलिस स्टेशन में पूछताछ के लिए बुलाया जाता है। महादबारी गाँव के विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे अपने विश्वास में मजबूत हों। प्रार्थना करें कि निर्माणाधीन कलीसिया भवन का कार्य शीघ्र पूरा हो और अप्रैल में योजना के मुताबिक उसका समर्पण हो। हमारी विश्वासिनी शैलाबाई, जो एक एक्सीडेंट की वजह से चल नहीं सकतीं हैं प्रार्थना करें कि वह शीघ्र चंगाई पाए।

20
फरवरी
शुक्रवार

जन्मदिन मुबारक

श्री कुना चंद्रा पैक
श्री जॉनसन बी.
श्रीमती बसंती मरांडी हेबेल
सुश्री अर्पिता मुंडा

दादरा नगर हवेली

सिलवासा: डेविडसन राजसिंह एवं कनमनी परिमालम

स्तुति: परमेश्वर ने लाडकबेन, शीला बेन, इमिनी बेन, इवानी बेन और जगीराम बाई को जहरीले साँप के काटने से बचाया। प्रार्थना के चंगाई पाए लकुमी की माँ ने अब यीशु मसीह पर अपने उद्धारकर्ता के रूप में विश्वास किया है। परसुल बाई को शैतानी बंधन से मुक्ति मिली। पारू बेन को गले के ट्यूमर से चंगाई मिली।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि हर्षदा बेन को दुष्टात्मा के बन्धन से छुटकारा मिले। अनीता बेन को खाँसी की तेज बीमारी से छुटकारा मिले। पुनी बेन, राधे बेन और गुल्फी बेन को लकवा से चंगाई मिले। मुकेश बाई, जिनके हाथ में मैकेनिकल औजार से काम करते समय फ्रैक्चर हो गया था, पूरी तरह चंगा हो जाए। धीरू बाई के मन परिवर्तन के लिए प्रार्थना करें जो चर्च नहीं जाना चाहती ताकि उसे प्रभु के प्रेम का अनुभव हो।

महाराष्ट्र

डिंढोरी / सुरगाना / मारे: मायिलसामी एवं येसुमणि

स्तुति: नवीन बाबू ने शैतानी बंधन से छुटकारा पाने की बेकार कोशिश में अपना सारा पैसा झाड़फूँक और दवाइयों पर खर्च कर दिया, एक प्रार्थना सभा में शामिल हुआ, विश्वास के साथ प्रार्थना की और परमेश्वर ने उन्हें छुटकारा दिया और पैसे से भी आशीर्वाद दिया। मोहन बिट्टी के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जिसने मानसिक असंतुलन के कारण अपनी पत्नी को नुकसान पहुँचाने की कोशिश की थी, कलीसिया की प्रार्थनाओं के द्वारा चंगाई पाया।

प्रार्थना: हमारी नई विश्वासी सत्थू बाई के सम्पूर्ण छुटकारे के लिए प्रार्थना करें जो गरीबी और शैतानी बंधन से परेशान है। विरोधियों के द्वारा बंद करवाया गया डिंढोरी गाँव के आराधना सेवा के लिए प्रार्थना करें में कि परमेश्वर का हस्तक्षेप उन पर हो और फिर से कलीसिया की आराधना आरम्भ हो सके। सुथकोट गाँव में सुसमाचार के फैलने के लिए द्वार खुले। प्रभु पारे मिशन क्षेत्र के बोवाड़ा गाँव में बहुत से विश्वासियों को खड़ा करे। सुरले गाँव के विश्वासियों की मन फिराव के लिए प्रार्थना करें जो विरोध के कारण पीछे हट गए हैं ताकि वे हिम्मत रखें और पूरी तरह से प्रभु की ओर फिरें।

21 फरवरी
शनिवार

जन्मदिन मुबारक

श्री थिलक एस.

तलासरीः
गेड्डाम श्रीनिवास राव एवं मेडन्की राज्यलक्ष्मी

स्तुतिः सारी, साईवन और सिलार की कलीसियाओं में कटनी पर्व आनन्द के साथ मनाया गया। क्रिसमस कैरल के द्वारा 28 गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया। राधे संतोष को विवाह के दस वर्षों के बाद गर्भधारण करने की आशीष मिली। पुलिस फोर्स की सुरक्षा में क्रिसमस कार्यक्रम शांति के साथ संचालित किया गया।

प्रार्थनाः प्रभु अपने राज को बढ़ाने के लिए पूर्णकालिक सेवकाई के लिए मिशनरी के तौर पर सेवा करने के लिए समर्पित लोगों को खड़ा करें। अप्रैल माह में होने वाला क्षेत्रीय मेला की सफलता के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि परमेश्वर उन कलीसियाओं को मजबूत करें जो अपने विश्वास में पीछे हट गए हैं। विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि उनके लिए शुरू किए गए बाईबल कॉलेज में जुड़ें और वचन के ज्ञान में बढ़ने के लिए उत्सुक हों।

नेरः मूर्ति टी. एवं भारती आर.

स्तुतिः वासमर, वाड़ी और किरमानी में क्रिसमस प्रोग्राम के सुचारू संचालन के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें। तीन गाँवों में जीज़स फिल्म के माध्यम से सेवा करने का अवसर और मिला और पाँच गाँवों में रात्रि सभा संचालित की गई। कई लोगों ने युवा सभा और रात्रि उपवास प्रार्थना में भाग लिया और प्रभु की मौजूदगी से आशीर्वाद पाया।

प्रार्थनाः एक साल से पेट दर्द से परेशान सांगी बाई के चंगाई मिले। विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे अपने आध्यात्मिक जीवन और परमेश्वर के वचन में और गहराई से आगे बढ़ें। प्रार्थना करें कि लघु प्रार्थना समूह सभी क्षेत्रों में सुचारू रूप से काम करे और कई लोगों को प्रभु के साथ करीब से चलने में मदद मिले।

प्रभु जो कभी नहीं छोड़ता

ओड़िशा के जशीपुर के बुधिगमारी गाँव की बैधरा सखिया ट्यूमर से प्रभावित था। कई पूजा–पाठ करने और कई अस्पतालों में इलाज करवाने के बाद भी वह ठीक नहीं हुई। डॉक्टरों ने उन्हें सर्जरी के लिए पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल के कोलकाता जाने की सलाह दी। ऐसे में, राधा नगर के हमारे विश्वासी उनसे मिले और उन्हें प्रार्थना के लिए कलीसिया के प्राचीन रमेश पट्टा के पास जाने को कहा। जब कलीसिया का प्राचीन ने उनके लिए प्रार्थना की, तो परमेश्वर ने उन्हें बिना सर्जरी के पूरी तरह चंगाई दी। अब वह आराधना में भाग लेती हैं और परमेश्वर की महिमा करती हैं। हल्लेलुय्याह।

22
फरवरी
रविवार

घोटः

विक्टर पॉलराज एवं शीला

स्तुतिः सुजीत चौधरी को प्रार्थना के द्वारा अच्छी नौकरी मिली। बेट्टाला गाँव में हुए क्रिसमस प्रोग्राम में हिस्सा लेने वाले गाँव के अगुवों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें। सिटोकानेर गाँव में हुए क्रिसमस प्रोग्राम को पूरी तरह से फाइनेंस करने वाले विश्वासी के लिए प्रभु को धन्यवाद दें। सिटोकानेर और कावरेट्टी गाँवों के 14 लोगों ने यीशु मसीह में अपना विश्वास का अंगीकार किया। कई गाँवों में क्रिसमस प्रोग्राम के द्वारा सैकड़ों सुसमाचार साहित्य का वितरण किया गया।

प्रार्थनाः डायबिटीज से जूझ रही एक नई विश्वासी हिमलाबाई की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। मसीह को मानने वाले नए विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे आध्यात्मिक रूप से समझदार बनें और अपना विश्वास में जड़ पकड़ें। प्रभु नए विश्वासी नागराज गुकगुटकर के परिवार को सुतान सुख प्रदान करे। जाडेगन के ग्रामीणों के लिए प्रार्थना करें जो विश्वासी नरोती पर अपना ईसाई धर्म छोड़ने का दबाव डाल रहे हैं प्रभु के प्रेम का अनुभव करें। ल्यूकेमिया से पीड़ित माधुरी और कमल हजारे की सम्पूर्ण चंगाई के लिए प्रार्थना करें।

मोगीः

रुबेन टुडू एवं रुक्मणी हेम्ब्रोम

स्तुतिः हमारे मिशन के कर्यकर्ताओं ने हमारे सम्पर्क में नई आयी गंभीर बीमारी से जूझ रही डिम्प्रिया बाबावु के लिए प्रार्थना की और चामेश्वर ने पूर्ण रूपेन चंगाई दी। सिक्तिबारी गाँव में आयोजित क्रिसमस कार्यक्रम में शामिल एक परिवार ने यीशु मसीह पर विश्वास करना शुरू कर दिया है।

प्रार्थनाः हमारे समपर्क में नई आयी सीता को शैतानी बन्धन स छुटकारा मिले। हमारे हमारे स्थानीय प्रचारक पुलसिंह और शांति बाई को एक्सीडेंट की वजह से पैर में लगी चोटों से चंगाई मिले। सुगन के सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें। गाँव का मुखिया गुमान को परमेश्वर न्याय प्रदन करे जिसे ईसाई धर्म का साथ देने की वजह से धर्म बदलने के कानून के तहत जेल में डाल दिया गया है। प्रार्थना करें कि जिन लोगों ने उसके खिलाफ केस किया थ वे उद्धार पाएँ।

23
फरवरी
सोमवार

जन्मदिन मुबारक

श्री इसहाक राजा डी.
श्री सेंथिल कुमार तिमोथी
श्रीमती अनीता प्रभा आनंदकुमार
श्रीमती ईमांडी अनुराधा बंगारू

पेंट क्षेत्रः
एम. विनु एवं सुबिला

स्तुतिः उनकी असीम कृपा से क्रिसमस प्रोग्राम बिना किसी रुकावट के संचालित किया गया और इसमें 37,000 लोगों ने हिस्सा लिया। परमेश्वर ने जमनपाड़ा गाँव में चर्च बनाने के लिए एक जमीन का टुकड़ा प्रदान किया। माता–पिता और स्थानीय प्रचारक की प्रार्थनाओं से खेलते समय अचानक बेहोश हुई छोटी लड़की अपर्णा को जो हो गई थी दो घंटे बाद होश में आई। हमारे पेंट बालभवन की छात्रा ज्योति गुटे ने स्वयं को पूर्ण कालिक सेवकाई के लिए समर्पित की है। उन्हें स्क्रिप्चर कॉम्पिटिशन में 1,672 बाईबल पदों को कंठस्थ करने के लिए प्रथम पुरस्कार भी मिला। कोठवाल गाँव में नए बने चर्च को परमेश्वर की महिमा के लिए समर्पित किया गया।

प्रार्थनाः मंजुला बेन को गुर्दे की पथरी से चंगाई मिले। सर्जरी के बाद चलने में असमर्थ सोनजीबाई को सम्पूर्ण चंगाई मिले। प्रार्थना करें कि मनीषा बेन को सुतान सुख प्राप्त हो। हमारी नई विश्वासी सथुबाई को शैतानी हमलों और गरीबी से छुटकारा मिले। विरोध के कारण बंद मेलुस्के गाँव का आराधना दल परमेश्वर की दया से फिर से शुरू किया जा सके। अत्यधिक जुल्म के कारण विश्वास से पीछे हटे सुले गाँव के विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे विश्वास और हिम्मत के साथ परमेश्वर की ओर लौट आएँ।

चालीसगाँवः
येसु प्रकाश एवं सुनंदा बेली

स्तुतिः हमारे विश्वासी के पति, शिवराज के दोनों गुर्दे के निष्क्रिय होने की वजह से जब डॉक्टरों ने सारी उम्मीद छोड़ दी और हॉस्पिटल से छुट्टी दी, तो कलीसिया ने बोझ के साथ उसके लिए प्रार्थना की और परमेश्वर ने उसे ने चमत्कारिक रूप से चंगाई दिया। सयाबाई सामरव को प्रार्थना के द्वारा पूरे शरीर पर के फोड़े और ब्रेस्ट ट्यूमर से चंगाई मिली। हमारे विश्वासी लाखन गायकाड़ को उनकी स्पाइनल कॉर्ड की बीमारी के लिए सर्जिकल इलाज के द्वारा चंगाई मिली।

प्रार्थनाः सुनीता पालेरो को पेट के ट्यूमर से, संगीता को पीलिया और लो ब्लड काउंट से, देवराम संबले को लकवा से और वाल्मीक वक्कले एवं तुलसीबाई को किडनी की बीमारी से चंगाई मिले। परमेश्वर सत्या, सचिन, नेहा, पुरिया, दीपाली और स्वप्निल संतान की आशीष प्रदान करे।

24
फरवरी
मंगलवार

इगतपुरी:
नागराजन एम. एवं थिलगावती

स्तुतिः कई सालों तक प्रार्थना में इंतजार करने के बाद, परमेश्वर ने नीलेश और मनीषा दम्पत्ति को संतान सुख प्रदान किया। अत्यधिक रक्तस्रा से परेशान उर्मिला और ललिता को चंगाई मिली। रमेश को पूरे शरीर की खुजली से चंगाई मिली। हमारे सम्पर्क में नई में आई हाथ–पैरों में दर्द से परेशान राजी को परमेश्वर ने चंगाई प्रदन की। सांस लेने में दिक्कत हो रही गंगूबाई की बेटी चित्रा और संधा बाई जो बीमारी की वजह से बिस्तर पर थी चंगाई मिली।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि सचिन, विष्णु और मनीषा को योग्य जीवन साथी मिल सके। थल्लेगाव गाँव के मुखिया के मन फिराव के लिए प्रार्थना करें जो अपने गाँव वालों को मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता मानने से रोकता है। गोकुल और जेया के परिवार के लिए प्रार्थना करें कि परमेश्वर उन्हें सांत्वाना प्रदान करे जो प्रथम बच्चे के खोने से दुःखी है। कृष्ण, संजय, निवृति, अंकुल, कालू, विष्णु, नानेश्वर, वनिता और भीम का आध्यात्मिक विकास के लिए प्रार्थना करें। प्रियंका को सफेद दाग से चंगाई मिले। हमारे मिशनरी नागराजन और फेलिक्स गमालिएल की बीमारी से पूरी चंगाई मिले।

कर्नाटक

मलूरः सामुएल बेबरता एवं सिप्पोरा बेबरता

स्तुतिः मिशनरी ने अपनी विवाह के बाद सुरक्षित अपने मिशन क्षेत्र में लौट आने में परमेश्वर ने मदद की। जोथिश, जो बढ़ते कर्ज के बोझ तले दबा हुआ था, जब वह किसी जरूरत के लिए प्रार्थना करने आया तो परमेश्वर के चमत्कारिक हस्तक्षेप के द्वारा उसे छुटकरा मिली। एक विश्वासी बसाम्मा को परमेश्वर ने अपना घर बनाने में सहायता की। लिवर की बीमारी से पीड़ित वेंकटेश को परमेश्वर ने बिना सर्जरी के प्रार्थना के द्वारा चांई प्रदान की।

प्रार्थनाः ज्योतिष को उद्धार का दान मिले। परमेश्वर ने सात वर्षों के लम्बे इंतजार के बाद मूर्ति परिवार को एक बच्चे का आशीर्वाद दिया। मलूर और आलमबदी कलीसिया के विश्वायिों का विश्वास में आग बढ़ने के लिए प्रार्थना करें। युवाओं के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें परमेश्वर की सहायता और माग्दर्शन से अच्छी नौकरी प्राप्त हों। परमेश्वर नए विवाहित मिशनरी परिवार को अपने राज्य की बढ़ोतरी के बहुतायत से इस्तेमाल करे।

25 फरवरी बुधवार

उपवास प्रार्थना दिवस

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती एंजेल जेबा हेनरी
श्रीमती सुधा बाग मिंदू कुटुम
श्रीमती सारथी अरुण कुमार, श्रीमती सुमति गणेश
श्रीमती नीतू दिनेश कुमार
श्री स्टीफन हंसदा

श्रीनिवासपुरा: सुनील दाता कारा एवं मीनाक्षी बीरो

स्तुति: नागानायकनहल्ली गाँव में हाल ही में हुए क्रिसमस प्रोग्राम में 40 लोगों ने भाग लिया और यीशु मसीह के सुसमाचार को सुना। अलग–अलग क्रिसमस कार्यक्रम में 2,500 से ज्यादा लोग शामिल हुए और सभी कार्यक्रम बिना किसी रुकावट सम्पन्न हुआ। सोभा ने मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता माना और सबके सामने अपने का अंगीकार किया। विश्वासी और व्यापारी अंजप्पा, हालांकि अपने साथी व्यापारी से धोखा खा गए, जो घटिया सामान सप्लाई करता था, फिर भी वह उन्हें अच्छी कीमत पर बेचने में कामयाब रहे। डिप्रेशन से जूझ रहे सिवाना को प्रार्थना से चंगाई मिली।

प्रार्थना: नागानायकनाहल्ली गाँव में आयोजित क्रिसमस कार्यक्रम में सुसमाचार सुनने वालों के लिए प्रार्थना करें कि वे मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार करें। जादूगर गौराप्पा को शैतानी बन्धन से छुटकारा मिले और वह यीशु मसीह को अपना उद्धारकर्ता अंगीकार करे। बेघर रोनाल्डी और मनु को उन्हें सरकारी घर की मदद मिले और रोनाल्डी को अपने पिता की नौकरी मिले। वेंकटम्मा के लिए प्रार्थना करें कि परिवार के सदस्यों के विरोध के बावजूद अपने विश्वास में हिम्मती बना रहे और उसका परिवार हमारे प्रभु के प्रेम का अनुभव कर सकें।

हलियाल/ खानपुर: थांगलाल जोऊ एवं नेमजावाह

स्तुति: 4 गाँवों में क्रिसमस कार्यक्रम बिना किसी परेशानी संचालित की गई। दिक्कतों के बावजूद उषा और शांता की सुरक्षित प्रसव हुआ। नंदा, शीतल, सुरेका पाटिल और आनंद जब कारेकर चर्च आए और प्रार्थना की तो उन्हें बुरी आत्मा के बन्धन से छुटकारा मिली। परमेश्वर ने परमन्ना के नए बोरवेल को भरपूर पानी का श्रोत दिया। परमेश्वर की कृपा से रुद्राप्पा भारतीय सशस्त्र बल में शामिल हो पाया।

प्रार्थना: रेणुका, शोभा और रेनी की सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें। बिमाप्पा, रुद्रेश, परेशराम और चंदन परकेश को शराब की लत से छुटकारा मिले। लक्ष्मण, उथप्पा, नागेश और एलप्पा को लकवा और रुद्रप्पा को कैंसर से चंगाई मिले। चर्च बनाने के लिए नाधुघाट में सही जमीन मिले। विष्णु, पूजा, अर्थी और प्रमोद को अच्छी नौकरी का मौका मिले। परमेश्वर अर्पणा, जेनिफर, निक्की, परज्वल, प्रतिभा और सेनम्मा को योग्य मसीही जीवनसाथी प्रदान करे।

26
फरवरी
गुरुवार

जन्मदिन मुबारक

श्री सुरेश जोसेफ

आंध्र प्रदेश

घमालचेरुवु: जॉन डेविड राज (सेवानिवृत) एवं ज्ञानशेखर

स्तुति: विश्वासी मरियम्मा के दामाद के जीवन के लिए, जो एक दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया था, और बेहोश हो जाने के बाद, प्रार्थना के द्वारा वह फिर से उन्हें होश आया। दो पहिया वाहन से गिरने के कारण अचानक सीने में दर्द हुआ परन्तु परमेश्वर ने उसकी रक्षा की वह सुरक्षित घर लौट सक। परमेश्वर ने रंगा प्रसाद और लिडिया को अच्छी नौकरी दिलाई। रानी किरुबा के भाई की बेटी कोमन जो 45 दिनों से लापता थी उनकी प्रार्थनाओं के उत्तर में सुरक्षित वापस आने में परमेश्वर ने उसकी सहायता की।

प्रार्थना: रीढ़ की हड्डी के दर्द से पीड़ित जोब प्रसाद पर प्रभु के उपचारात्मक स्पर्श के लिए प्रार्थना करें। दबोरा इजराइल गर्भाशय के कैंसर से और विक्टर वीरस्वामी को पैर के सूजन से चंगाई मिले। एरॉन, जिसकी दोनों आँखों की रोशनी चली गई है, उसे डर से मुक्ति मिले और उसे प्रभु में उम्मीद, बल और हिम्मत मिले। एस्तेर के पति जानकी रमन और लक्ष्मी देवी के पति प्रभाकरन के उद्धार के लिए प्रार्थना करें कि वे प्रभु की खुशी में आ सकें। डैनियल की सांत्वना के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करें जो एक ही हफ्ते में अपनी माँ और भाई दोनों को खोने से शोकित है। पीठ में ट्यूमर के कारण चलने में असमर्थ रूथ कल्पना के बारह साल के बेटे डेविड के चमत्कारिक रूप से चंगाई मिलने के लिए प्रार्थना करें।

पालमनेर: पौल कुप्पुसामी एवं शीला

स्तुति: तीन लोगों ने मसीह में गहरा विश्वास को अपनया। सात कलीसियाओं में हुए क्रिसमस कार्यक्रम और नए साल की आराधना में कई नए लोगों ने भाग लिया। कई दिनों की प्रार्थना और कोशिश के बाद, थलापल्ली चर्च की मरम्म्त का काम पूरा हुआ। कई दिनों से अस्पताल में भर्ती अलेक्जेंडर और वसंतम्मा को परमेश्वर ने चंगाई दी और वे अपने घर लौट आए।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि अगामी युवा सभा, कलीसिया के प्राचीनों का प्रशिक्षण कार्यक्रम और आत्माओं को जीतने का प्रशिक्षण सफलतापुर्वक संचालित किया जाए। शैतानी के बन्धन और जादू-टोने में फँसे हुए सरवनन के परिवार के परिवार के छुटकारे के लिए प्रार्थना करें। सरस्वती के परिवार को मसीह यीशु में मुक्ति मिले। रुथाम्मा को कैंसर से, रीता को अस्थमा से, पर्वतम्मा को घुटने के दर्द से, सुब्रमण्यम को डायबिटीज से चंगाई मिले और मंजुला, हेमलता और संधाना का सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें।

27
फरवरी
शुक्रवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती नियंग खानमन बुम्बियाक लाल
श्रीमती अनीता शिशु पाल
श्रीमती न्गाइजालिंग किपज़ेन सिहखोथांग

मडकासिरा: पॉल रवि एवं हेमलता

स्तुति: जीज़स फिल्म तीन जगहों पर दिखाई गई। रमन जनप्पा को घुटने के दर्द से चंगाई मिली। गंगा रत्नाम्मा को बुरी आत्मा के बन्धन से छुटकारा मिली। नारायण स्वामी को जमीन सम्बन्धी समस्या से परमेश्वर की दया से छुटकारा मिली।

प्रार्थना: सुसमाचार में रूचि ले रहा गोविंदप्पा को शराब की लत से छुटकारा मिले और उद्धार पाए। सांस की दिक्कतों से जूझ रही वरलक्ष्मी की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। मेलापुर की नागमणि, जिनकी दोनों आँखों की रोशनी अचानक चली गई है परमेश्वर की कृपा से उन्हें रोशनी वापस मिलने पाए। सरकार कॉलोनी की नागमणि, जो बुरी आत्मा के बन्धन से मुक्ति मिले। हमारे विश्वासी के पति मकेशा को शराब और गलत रिश्तों जैसी बुरी आदतों से छुटकारा मिले।

कलाकाडु: सुभाषभाई एवं तुम्बाड़ा रसीलाबेन

स्तुति: भले ही डॉक्टरों ने सुरक्षित प्रसव की उम्मीद नहीं जताई थी, परन्तु प्रार्थना के परिणामस्वरूप परमेश्वर ने हर्षिनी को सुरक्षित प्रसव का आशीर्वाद दिया। वेंकट प्रवीण, जिनका क्रिसमस प्रोग्राम के रास्ते में तीन बार एक्सीडेंट हुआ, परमेश्वर ने उनकी रक्षा की। राजेश, श्रीनु, पद्मा, शशिकला, कला, लक्ष्मीअम्मा और मोहन को अलग–अलग बीमारियों से चंगाई मिले।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि वेदापल्ली चर्च की चारदीवारी का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा हो। नाओमी को बुरी आत्मा के बंधन से छुटकारा मिले। राम चंद्रा को सीने की दर्द से और कृष्णवेणी को बच्चेदानी की ट्यूमर और थायरॉइड की समस्या से चंगाई मिले। आने वाले सीकर्स कैंप के सफलता के लिए प्रार्थना करें।

नल्लामडा: दिनेश मडैया एवं मैरी मुर्मू

स्तुति: 5 वर्षों से अपनी जमीन बेचने के लिए संघर्ष कर रही जेयम्मा, जको परमेश्वर ने बहुत प्रार्थना के बाद उसे अच्छी कीमत पर जमीन बेचने में मदद की। नरसिम्हु, जो हाई ब्लड प्रेशर से परेशान था और खतरनाक हालत में था, प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली। पैर के तेज दर्द से परेशान अंजी को सर्जरी की सलाह दी गई थी परन्तु वह बिना सर्जरी के प्रार्थना के द्वारा पूरी तरह चंगी हो गई।

प्रार्थना: संध्या के माता–पिता के मनफिराव के लिए प्रार्थना जो उसे चर्च जाने से रोकते हैं। नल्लमडा गाँव में चर्च बनाने के लिए एक उपयुक्त भूमि और खरीदने के लिए पैसे मिले। मरियम को शैतानी बन्धन से छुटकारा मिलने और रमनजी तथा तबीता के परिवार की समस्या हल होने के लिए प्रार्थना करें ताकि वे शांति का अनुभव कर सकें। सुंदरलेखा की सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें। एलिजाबेथ के पति के मन फिराव के लिए प्रार्थना करें जो उसके आध्यात्मिक विकास में रुकावट बना हुआ है।

28
फरवरी
शनिवार

जन्मदिन मुबारक

श्री विनु पी.
श्रीमती आइरीन लेथेनमुओंग हाओकिप
सुश्री अबिशा एंजेल

तमिलनाडु

वेट्टावलम: ब्राइट जयकुमार एवं ब्यूला अन्ना शांतिनी

स्तुति: नए साल पर कलसोराथुर, पेरिया ओलापड़ी और शूलागिरी गाँवों में परमेश्वर की महिमा के लिए आराधना संचालित की गई। गुजारे के लिए संघर्ष कर रही विधवा कविता को बैंगलोर के एक स्कूल में अच्छी नौकरी मिली, जिससे उसका परिवार गरीबी से ऊपर उठ पाया।

प्रार्थना: धंदापंडी गुडी, जो गॉस्पेल में बहुत दिलचस्पी दिखाती हैं, उन्हें शराब की लत से छुटकारा मिले। कई महला सभा में कई महिलाओं के भाग लेने के लिए प्रार्थना करें ताकि उन्हें आत्मिक आशीर्वाद मिले। मिनिस्ट्री के लिए LCD प्रोजेक्टर और ध्वनि एवं प्रकाश के इंतजाम की जरूरत पूरी हो। सभी चर्चों में चल रहे जमीन के नाप, कंपाउंड बनाने और रेनोवेशन के काम जल्द पूरे हो सके।

वरली बाईबल अनुवाद: जी. अब्राहम एवं हेमलता

स्तुति: भजन संहिता की पुस्तक की प्रमाणिक जाँच पूरी कर ली गई है। बाईबल अनुवादकों की वर्कशॉप सम्मेलन एक आशीर्वाद थी। परमेश्वर ने मिशनरी को गुजरात मिशन क्षेत्र के क्रिसमस और न्यू ईयर आराधना में हिस्सा लेने में मदद की। परमेश्वर ने वरली जन समूह के लिए WhatsApp ग्रुप में वरली भाषा की छोटी कहानियाँ, धर्मग्रंथ, गाने, उपदेश और बाइबिल के हिस्से पोस्ट करने में मदद की।

प्रार्थना: नीतिवचन की पुस्तक का वरली, दोहारी और निहारी बोलियों में प्रमाणिक जाँच के लिए प्रार्थना करें। न्यू टेस्टामेंट, भजन संहिता और नीतिवचन का बिना किसी परेशानी के वरली भाषा में छपाई हो सके। भाषा ट्रांसलेशन में मदद करने वालों को परमेश्वर की बुद्धि प्रदन करे। पौढ़ शिक्षा कार्यक्रम के पाठ्यक्रम का प्रमाणिक जाँच करके वरली भाषा में छपाई का काम पूरा हो। प्रार्थना करें कि वरली भाषा में धर्मग्रंथों का अनुवाद करने और वरली भाषा WhatsApp ग्रुप में पोस्ट करने की सेवा लगातार जारी रहे।

मेचेरी: धर्मराज आर. आर. एवं मारिया सेल्वी

स्तुति: मोरपलायम एवं कालीपट्टी चर्च में क्रिसमस सर्विस प्रभावशाली तरीके से मनाया गया। कनैयान और जयलक्ष्मी ने यीशु मसीह में अपना विश्वास का अंगीकार किया। दुरैसामी और उनकी पत्नी और बच्चों के लिए जो इतने विरोध के बावजूद भी डटे रहे और परमेश्वर पर भरोसा बनाए रखा।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि नागराजन और कस्तूरी के परिवार में ईश्वरीय शांति का वास हो। राजीव गांधी, सिनराज और लक्ष्मी के परिवार प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करें। दुरैसामी का परिवार प्रभु यीशु मसीह को स्वीकार करें।

416 मिशनरी एल्बम

श्री आर. सेल्वाकुमार जोसेफ विल्सन एवं श्रीमती जया हेलेन रोज

श्री जोसेफ विल्सन का जन्म 10 मार्च 1968 को कन्याकुमारी प्रांत के थेंगाई पट्टनम में एक मसीही परिवार में श्रीराजा मणि एवं श्रीमती मारिया अर्पुथम के दूसरे बेटे के रूप में हुआ था। बारह साल की उम्र में, जब वे बहुत बीमार थे और मरने वाले थे, अर्पुथम राम के सामने यीशु मसीह प्रगट हुए और अद्भुत तरीके से उन्हें मृत्यु से बचाया। अपनी जवानी में, उन्होंने मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता मान लिया और अपना जीवन परमेश्वर को समर्पित कर दिया।

जब उनके पिता, जो वन विभाग में काम कर रहे थे, तब उनका तबादला धर्मपुरी जिले के अंचेट्टी में हुआ, तो श्री जोसेफ विल्सन FMPP के मिशनरी, रेव्ह. जॉन धर्मामणि और रेव्ह. वरदराजन के संपर्क में आए। बाद में, 1983 में, जब उनके पिता सूलागिरी में पदस्थापन थे, तब उनका परिवार उस मिशन क्षेत्र में FMPP मिशनरियों द्वारा शुरू किए गए और उनकी अगुवाई में संचालित आराधना दल में सक्रिय रूप से हिस्सा लेता था। स्कूल की छुट्टियों के दौरान, गाँव में सेवा करने और ट्रैक्ट बाँटने में वह मिशनरियों की मदद करता था।

1986 में, उन्होंने स्वयं को पूर्णकालिक सेवकाई के लिए समर्पित कर दिया और मिशनरियों के साथ एक स्थानीय सेवक के तौर पर सेवा करना आरम्भ कर दिया। 1990 में, उन्हें एक मिशन क्षेत्र की जिम्मेदारी दी गई। 1993 में, वे अधिकारिक तौर पर FMPP में एक मिशनरी के रूप में शामिल हुए और बेथेल बाईबल कॉलेज में एक साल की मिशनरी प्रशिक्षण पूरी की। 1994 से 1996 तक, उन्होंने झारखंड और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में एक मिशनरी के तौर पर सेवा की ।

बहन जया हेलेन रोज का जन्म 11 जनवरी 1974 को कन्याकुमारी प्रांत के पाकोड़े गाँव में हुआ था। वह परमेश्वर के दास स्वर्गीय श्री जॉर्ज विलियम एवं श्रीमती रत्तिनम की सबसे छोटी बेटी थीं। छोटी उम्र से ही, उन्हें अपने माता–पिता के जीवन से प्रेरणा लेकर परमेश्वर की सेवा करने की गहरी इच्छा थी। बारह साल की उम्र में, कई मिशनरी कहानियाँ पढ़ने के बाद, उनके मन में मिशनरी बनने की गहरी इच्छा उत्पन्न हुई।

19 फरवरी 2001 को श्री जोसेफ विल्सन और बहन जया हेलेन रोज का विवाह हुआ। 2002 से फरवरी 2008 तक, उन्होंने कृष्णगिरी, मधेपल्ली, कुंदरापल्ली और गुरुपरापल्ली जैसे इलाकों में एक साथ मिशनरी के तौर पर सेवा की। 2008 से 2012 तक, उन्होंने मुख्य कार्यालय में सेवा की। 2012 से 2020 तक, वे इरोड और कोलार इलाकों में मोबिलाइजेशन मिनिस्ट्री में शामिल थे, इसके बाद पूंडी में विलेज मिनिस्ट्री में शामिल हुए। दिसंबर 2020 से, वे सलेम इलमपिल्लई मिशन फील्ड में सेवा कर रहे हैं।

परमेश्वर ने इस दम्पत्ति को 02 सितंबर 2002 को एक बेटे, जेट जे. विलियम का आशीर्वाद दिया, जो अभी अपनी मेडिकल की पढ़ाई के आखिरी साल में है। आईए हम इस मिशनरी परिवार को अपनी प्रार्थनाओं में स्मरण रखें।

1000
घंटों की श्रृंखला की प्रार्थना

2026 फरवरी 18 से अप्रैल 2

आईए, 2026 के इस महाउपवास काल में हम परमेश्वर के संतान के रूप में उसके चरणों में बैठें और कलीसियाओं के आध्यत्मिक पुनरुत्थान, सेवकाईयों, मिशनरियों और राष्ट्र की आशीष के लिए प्रार्थना और मध्यस्थता करें!

प्रार्थना का तरीका

24 घंटों की श्रृंखला की प्रार्थना
(24 लोग प्रति दिन एक घंटे की प्रार्थना करें)

प्रार्थना दलों में, कलीसिया में, मोबिलाईजेशन एवं मिशन क्षेत्रों में

12 घंटों की उपवास प्रार्थना

सभी माबिलाईजेशन जिलों में/मिशन क्षेत्रों में

एक दिवसीय/दो दिवसीय/तीन दिवसीय
विशेष उपवास प्रार्थना

क्षेत्रीय माबिलसईजेशन जिलों में एवं मिशन क्षेत्रों में जिलेवार

3/6 घंटों की मध्यस्थता की विशेष प्रार्थना

प्रार्थना दल/ कलीसिया/ हमारे अगुवों एवं सहयोगियों के घरों में

आईए हम सब मिलकर व्यक्तिगत, परिवार के रूप में, प्रार्थना समूहें के रूप में और कलीसियाओं के रूप में इस प्रार्थना श्रृंखला में भाग लें! आई हम अपने राष्ट्र में परमेश्वर की महिमा को देखें!

सम्पर्क

प्रार्थना विभाग, मित्र सुसमाचार प्रार्थना दल, 29, हाई स्कूल रोड, अम्बत्तूर, चेन्नै–600053
फोन: 044–26574343/26574353 ईमेल: premfmpb@gmail.com@prayer@fmpb-org

Published by: S. John Berlin on behalf of Friends Missionary Prayer Band from 29, High School Road, Ambattur, Chennai 600 053. Tel. 044-2657 0404 E-mail: info@fmpb.org ***Printed by:*** Rasi Graphics (P) Ltd. No. 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600014. ***Editor: S. John Berlin***